

# वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2015-16



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
झांसी 284 003, भारत  
Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University  
Jhansi 284 003, India



# रा.ल.बा. के.कृ.वि. वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

जुलाई 2015 - जून 2016



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
झांसी 284 003, भारत

## वार्षिक रिपोर्ट 2015-2016

( जुलाई 2015 से जून 2016 )

दूरभाष	:	0510-2730555, 0510-2730777
फैक्स	:	0510-2730555
ई-मेल	:	vcrlbcau@gmail.com
वेबसाइट	:	<a href="http://www.rlbcau.ac.in">http://www.rlbcau.ac.in</a>

### प्रकाशन:

डॉ. मुकेश श्रीवास्तव

कुलसचिव

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
झांसी 284003

### संकलन और संपादन:

डॉ. कुसुमाकर शर्मा

सलाहकार

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
झांसी 284003

डॉ. मुकेश श्रीवास्तव

कुलसचिव

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
झांसी 284003

### आभार:

कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय ( डीकेएमए )

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि अनुसंधान भवन-1,  
पूसा, नई दिल्ली 110012

## प्राक्कथन

**मैं** आपके समक्ष रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की दूसरी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ जिसमें शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के दौरान विश्वविद्यालय में हुए महत्वपूर्ण कार्यों, विकास और मुख्य उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। बुंदेलखंड क्षेत्र पर विशेष बल देते हुए देश में टिकाऊ कृषि और कृषि उत्पादन पर आधारित विज्ञान को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय महत्व के इस संस्थान ने विश्वविद्यालय अधिनियम में परिभाषित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कई चुनौतियों से निपटने का प्रयास किया। विश्वविद्यालय ने प्रबंधमंडल के अनुमोदन से पूर्व स्नातक अध्ययन के लिए रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक विनियम 2015 को लागू करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को सबल बनाया है। विश्वविद्यालय में बी.एससी (ऑनर्स) कृषि उपाधि के लिए 30 छात्रों को द्वितीय बैच में नामांकित किया गया। उनका यह नामांकन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के लिए आयोजित कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईईईई) के माध्यम से हुआ। विश्वविद्यालय ने अपने बुनियादी ढांचे के विकास हेतु एनबीसीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रथम प्रावस्था में विश्वविद्यालय का झांसी और दतिया में पूर्व फ़ैब्रिकेटिड संरचनाओं का निर्माण, झांसी में प्रशासनिक भवन, छात्रावास, कुलपति तथा कुछ संकाय सदस्यों के आवासों और कृषि, बागवानी तथा वानिकी महाविद्यालय के लिए शैक्षणिक भवन का निर्माण आरंभ करने का प्रस्ताव है। अखिल भारतीय चना समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के लिए स्वीकृत वैज्ञानिक स्टाफ की भर्ती के पश्चात् अनुसंधान गतिविधियों में भी गति आई है। विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों के लिए विभिन्न शैक्षणिक और शिक्षण इतर पदों के सृजन का प्रस्ताव प्रबंध मंडल तथा वित्त समिति की स्वीकृति से तैयार किया गया, तथा आवश्यक अनुमोदन के लिए इसे वित्त मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कदमों का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय ने मेरा गांव मेरा गौरव (एमजीएमजी) कार्यक्रम के अंतर्गत खेती की सर्वश्रेष्ठ विधियों को बढ़ावा देने के लिए एक गांव को गोद लिया, ताकि फार्म उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाया जा सके। विश्वविद्यालय ने स्वच्छ भारत अभियान (एसबीए) में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

विश्वविद्यालय का सौभाग्य है कि इसे भारत के माननीय राष्ट्रपति पदेन विजिटर द्वारा नियुक्त प्रोफेसर डॉ. पंजाब सिंह, पूर्व सचिव डेयर और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, को प्रथम कुलाधिपति के रूप में स्वागत करने का अवसर प्राप्त हुआ।



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

माननीय कुलाधिपति की व्यापक दृष्टि, प्रेरणा और मार्गदर्शन के माध्यम से यह विश्वविद्यालय अत्यधिक लाभान्वित होगा।

विश्वविद्यालय अपने प्रेरणा स्रोत श्री प्रणब मुखर्जी, माननीय विजीटर एवं श्री राधा मोहन सिंह जी, माननीय केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रोत्साहन, मार्ग दर्शन व सहयोग के लिये हृदय से आभारी है। मैं केन्द्र और राज्य सरकारों, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल व वित्त समिति के माननीय सदस्यों को हमारी विभिन्न गतिविधियों को सम्पन्न करने में मार्गदर्शन देने व सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। श्री जवाहर लाल, प्रशासनिक अधिकारी, आईसीएआर-सीएएफआरआई व श्री महेश मुलानी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, आईसीएआर-आईजीएफआरआई द्वारा विश्वविद्यालय के कमशः प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य में सहयोग हेतु आभार व धन्यवाद। मैं विश्वविद्यालय के अपने सभी सहयोगियों, सलाहकार व छात्रों को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जिनके अथक प्रयासों के बिना विश्वविद्यालय की इन उपलब्धियों को प्राप्त करना संभव नहीं था। मुझे विश्वास है कि इस रिपोर्ट में दी गई सूचना से सभी हित धारक लाभान्वित होंगे तथा हमारे विश्वविद्यालय द्वारा किए गए सतत प्रयासों को भली भांति जान सकेंगे।

अरविन्द कुमार

दिनांक: 17.11.2016

स्थान : झांसी

( अरविन्द कुमार )

कुलपति

# विषय-सूची

प्राक्कथन	iii
<b>विश्वविद्यालय</b>	<b>1</b>
1. प्रस्तावना	2
2. लक्ष्य	2
3. विश्वविद्यालय प्राधिकारी एवं शासन	2
4. शैक्षणिक गतिविधियां	6
5. संकाय	7
6. अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना - चना उप केन्द्र	9
7. विस्तार गतिविधियां	10
8. अवसंरचनात्मक या बुनियादी ढांचे का विकास	11
9. वित्त एवं बजट	12
10. अन्य प्रमुख गतिविधियां/कार्यक्रम	12
अनुबंध I	16
अनुबंध II	18
अनुबंध III	19
अनुबंध IV	22
अनुबंध V	23
अनुबंध VI	24
अनुबंध VII	25
अनुबंध VIII	26





# विश्वविद्यालय



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

### 1. प्रस्तावना

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों के अभिवर्धन और अनुसंधान लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा संसद के अधिनियम के अंतर्गत 5 मार्च 2014 की गई। विश्वविद्यालय का मुख्यालय उत्तर प्रदेश राज्य के झांसी में विकसित किया जा रहा है। कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार हेतु कार्यक्रमों के संदर्भ में विश्वविद्यालय का न्यायिक क्षेत्र और उत्तरदायित्व सम्पूर्ण देश में फैला हुआ है, हालांकि बुंदेलखण्ड क्षेत्र संबंधित कृषि समस्याओं पर विशेष प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के प्राधिकार के अंतर्गत स्थापित सभी महाविद्यालय, अनुसंधान और प्रायोगिक केन्द्र या अन्य संस्थाएं विश्वविद्यालय के अधिकारियों और प्राधिकारियों के पूर्ण प्रबंध व नियंत्रणाधीन होते हुए विश्वविद्यालय का घटक होंगे। विश्वविद्यालय अधिनियम के पैरा 4(2) के प्रावधानों के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने झांसी में अपना मुख्यालय तथा कृषि महाविद्यालय व बागवानी और वानिकी महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। दो महाविद्यालय नामतः पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय और मात्स्यिकी महाविद्यालय, दतिया, मध्य प्रदेश में स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। विश्वविद्यालय को कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से सीधे निधियां प्राप्त होती हैं।

भारत के माननीय राष्ट्रपति पदेन विजिटर द्वारा प्रतिष्ठित अनुसंधानकर्ता तथा शिक्षाविद डॉ. अरविन्द कुमार को इस विश्वविद्यालय का प्रथम कुलपति दिनांक 9 मई 2014 को नियुक्त किया गया।

### 2. लक्ष्य

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम - 2014 में विश्वविद्यालय के उद्देश्य स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं जो निम्नानुसार हैं:

- क जैसा उचित हो, कृषि तथा सम्बद्ध विज्ञानों की विभिन्न शाखाओं में उचित शिक्षा प्रदान करना;
- ख कृषि तथा संबंध विज्ञानों में अधिगम या सीखने तथा अनुसंधान करने में और अधिक प्रगति करना;
- ग बुंदेलखंड में तथा अपने न्यायिक क्षेत्र के राज्यों के जिलों में विस्तार शिक्षा के कार्यक्रम चलाना;
- घ राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं के साथ साझेदारी और सम्पर्कों को बढ़ावा देना;
- और
- ड समय-समय पर निर्धारित किए गए अन्य ऐसे कार्यों को सम्पन्न करना।

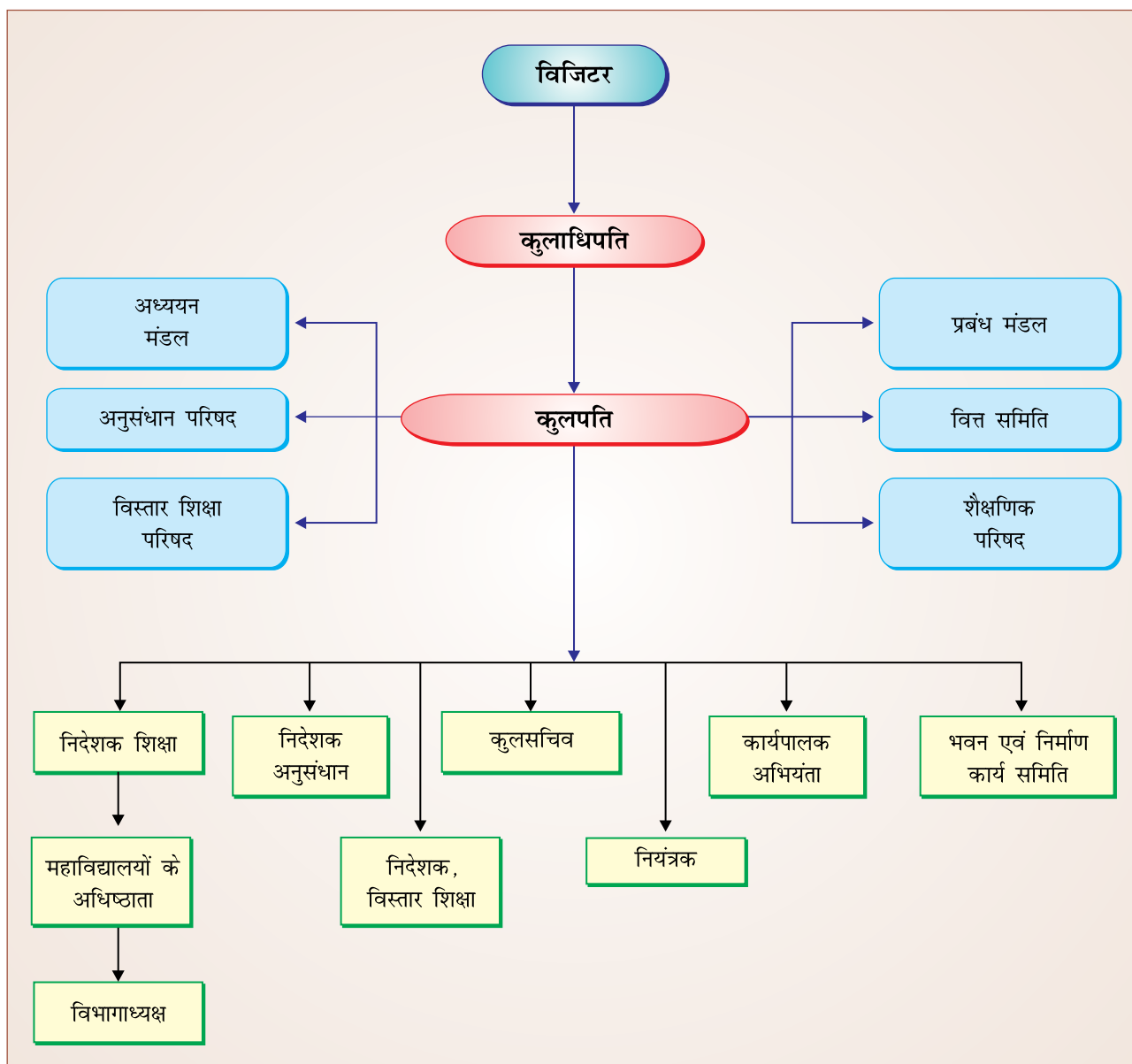
### 3. विश्वविद्यालय प्राधिकारी एवं शासन

कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान कार्यपालक व शैक्षणिक प्रमुख तथा प्रबंध मंडल, वित्त समिति और शैक्षणिक परिषद के पदेन अध्यक्ष हैं। प्रबंधमंडल, वित्त समिति और शैक्षणिक परिषद शीर्ष निकाय हैं जो प्रशासनिक, वित्तीय व शैक्षणिक मामलों में निर्णय लेते हैं। विश्वविद्यालय की प्रस्तावित शासन संरचना चित्र (1) में दर्शायी गई है।

#### 3.1. प्रबंध मंडल

प्रबंध मंडल विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है। यह नीति निर्माण करने वाली समिति है, जो विश्वविद्यालय के प्रबंध के लिए उत्तरदायी है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान प्रबंधमंडल का संघटन अनुबंध-I में दिया गया है। गठन के पश्चात् इस अवधि में प्रबंध मंडल की तीन बैठकें हुईं (तालिका 1):

क्र.सं.	बैठक	दिनांक	उपस्थित प्रबंध मंडल के सदस्यों की संख्या
1.	प्रथम	17 अगस्त 2015	10
2.	द्वितीय	10 फरवरी 2016	09
3.	तृतीय	3 जून 2016	11



चित्र 1 : विश्वविद्यालय की शासन संरचना

प्रबंध मंडल की विभिन्न बैठकों में लिए गए प्रमुख निर्णय निम्नानुसार हैं :

#### प्रथम बैठक

- अनुसूची की धारा 17(1) के अनुसार आरएलबीसीएयू की वित्त समिति में डॉ. एम. प्रेमजीत सिंह, कुलपति, सीएयू, इम्फाल; डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति, आरबीएसकेवीवी,

ग्वालियर; और डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का नामांकन।

- कुलपति, आरएलबीसीएयू द्वारा छात्रों के प्रवेश, बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि पाठ्यक्रम, शिक्षण व परीक्षा का माध्यम, पाठ्यक्रम के लिए विभिन्न शुल्क, छात्रों के लिए प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति, छात्रों के लिए परीक्षा आयोजन तथा



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

छात्रों के आवास की शर्तों संबंधित जारी सात अध्यादेशों की जानकारी।

- विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 29 के अंतर्गत आरएलबीसीएयू, झांसी में पूर्व स्नातक अध्ययनों के लिए शैक्षणिक विनियमों को अंतिम रूप देने के लिए डॉ. एस.एन. पुरी, पूर्व कुलपति, सीएयू, इम्फाल की अध्यक्षता में समिति का गठन।
- शैक्षणिक वर्ष 2014-15 और 2015-16 के दौरान बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम में प्रवेश दिए गए छात्रों की संख्या का अनुमोदन।
- परामर्शकों की भर्ती तथा शिक्षण एसोसिएट रखने के लिए अनुमोदन।
- विजिटर द्वारा विश्वविद्यालय में कुलाधिपति की नियुक्ति हेतु विशेष रूप से कृषि विज्ञान तथा सामान्य रूप से शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के पैनल की अनुशंसा।
- वर्ष 2014-15 के लिए विश्वविद्यालय की लेखा नीतियों, व्यय के वार्षिक विवरण और वर्ष 2015-16 के लिए संशोधित बजट आकलन।
- दिनांक 11 नवम्बर 2014 को माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार द्वारा विमोचित विश्वविद्यालय के प्रतीक चिह्न को अपनाने के लिए कार्यान्वयन स्वीकृति।
- अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना के कार्यान्वयन तथा बजट प्रावधानों के अनुसार परियोजना स्टाफ की भर्ती के लिए अनुमोदन।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा ली गई एआईईईए के माध्यम से विश्वविद्यालय में प्रवेश पाए सभी छात्रों को एनटीएस छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु अनुमोदन।
- शिक्षण तथा शिक्षण इतर पदों के सृजन हेतु अनुमोदन।

### द्वितीय बैठक

- स्नातक पूर्व अध्ययनों के लिए रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक विनियम, 2015 का अनुमोदन व उन्हें अपनाना।
- विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आरएलबीसीएयू और एनबीसीसी के बीच समझौते के मसौदे का अनुमोदन।
- निधियों की उपलब्धता की शर्त पर अनुमोदित निर्माण एजेंसी के माध्यम से विश्वविद्यालय में सम्पन्न किए जाने वाले सिविल निर्माण कार्यों का अनुमोदन।
- शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर पदों के सृजन के लिए वित्त समिति की अनुशंसा का अनुमोदन।
- वर्ष 2014-15 के लिए आरएलबीसीएयू के वार्षिक लेखे का अनुमोदन।
- समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय द्वारा सृजित किए जा रहे शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित अर्हताओं का अनुमोदन।

### तृतीय बैठक

- वर्ष 2016-17 शैक्षणिक सत्र से बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी तथा बी.एससी.(ऑनर्स) वानिकी कार्यक्रम आरंभ करने हेतु अनुमोदन।
- भा.कृ.अप. - एआईईईए के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2016-17 के दौरान छात्रों के प्रवेश के लिए विभिन्न स्नातक पूर्व कार्यक्रमों के लिए निर्धारित सीटों की कुल संख्या के लिए अनुमोदन।
- डॉ. मीनाक्षी आर्य और डॉ. अंशुमान सिंह की क्रमशः वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) और वैज्ञानिक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन) के पदों पर नियुक्ति के लिए चयन समिति द्वारा की



प्रबंध मंडल की तृतीय बैठक का एक दृश्य

गई अनुशासनों का अनुमोदन।

- विश्वविद्यालय अधिकारियों के वेतन, सेवा की स्थितियों व शर्तों तथा शक्तियों व कार्यों के लिए नियमों का अनुमोदन।
- 'विश्वविद्यालय भवन एवं निर्माण कार्य समिति' के गठन हेतु अनुमोदन।
- वर्ष 2016-17 के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर का अनुमोदन (अनुबंध V)
- वर्ष 2016-17 के लिए बजट आकलनों के अंतर्गत किए गए आबंटनों का अनुमोदन।
- डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति, आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर की अध्यक्षता में स्नातकोत्तर अध्ययनों के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विनियमों के मसौदे के लिए समिति का गठन।

### 3.2. वित्त समिति

विश्वविद्यालय की वित्त समिति के अध्यक्ष कुलपति हैं तथा वित्तीय सलाहकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग; मंडल द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिनमें से कम से कम एक मंडल का सदस्य होना चाहिए; विजिटर द्वारा नामित 3 व्यक्ति सदस्य हैं तथा विश्वविद्यालय का लेखानियंत्रक इसका पदेन सदस्य सचिव है। वित्त समिति का गठन व अधिसूचनाकरण अधिसूचना संख्या वीसी/

आरएलबीसीएयू/2/एफसीएम-2015 के द्वारा हुआ था (अनुबंध II)। इसके गठन के पश्चात् रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान वित्त समिति की 2 बैठकें आयोजित हुई हैं (तालिका 2)।

क्र.सं.	बैठक	दिनांक	उपस्थित वित्त समिति के सदस्यों की संख्या
1.	प्रथम	21 सितम्बर 2015	06
2.	द्वितीय	10 नवम्बर 2015	08

वित्त समिति द्वारा विभिन्न बैठकों में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों में निम्न निर्णय शामिल हैं:

#### प्रथम बैठक

- आरएलबीसीएयू, झांसी के लिए लेखा नीतियों का अनुमोदन
- वित्त वर्ष 2014-15 के लिए आरएलबीसीएयू के वार्षिक लेखे का अनुमोदन।
- वर्ष 2015-16 के लिए बजट आबंटन के ब्रेक-अप का अनुमोदन।
- संशोधित आकलन 2015-16 व बजट आकलन 2016-17 के अंतर्गत बजट आबंटन के ब्रेकअप का अनुमोदन।
- बजट प्रावधानों के अनुसार चने पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के



श्री एस.के. सिंह, अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार (डेयर/भा.कृ.अ.प.) वित्त समिति की बैठक में भाग लेते हुए





## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

कार्यान्वयन का अनुमोदन।

- शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर पदों के सृजन हेतु समीक्षा करने व अनुशंसा करने के लिए डॉ. पी.एल. गौतम की अध्यक्षता में उप समिति का गठन।
- सभी पूर्व स्नातक छात्रों को एनटीसी छात्रवृत्ति प्रदान करना।

### द्वितीय बैठक

- निर्माण एजेंसी के नामांकन का अनुमोदन।
- शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर पदों की समीक्षा व अनुशंसा के लिए डॉ. पी.एल. गौतम की अध्यक्षता में गठित विश्वविद्यालय वित्त समिति की उप समिति की रिपोर्ट एवं कार्यवृत्तों का अनुमोदन।

### 4. शैक्षणिक गतिविधियां

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की अनुसूची की धारा 29 और विधान (40) के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय के पूर्व स्नातक अध्ययनों की शैक्षणिक गतिविधियों को विनियमित करने के लिए प्रबंध मंडल के अनुमोदन के पश्चात् पूर्व स्नातक अध्ययनों हेतु 'रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक



माननीय कुलपति छात्रों को पुरस्कार देते हुए

विनियम-2015' लागू किए गए। ये सभी विनियम शैक्षणिक सत्र 2014-15 और उसके बाद प्रवेश पाए छात्रों के लिए लागू होंगे।

विश्वविद्यालय में झांसी तथा निकट के क्षेत्रों में स्थित भा.कृ.अ.प. अनुसंधान संस्थानों/सरकारी विभागों के वैज्ञानिक स्टाफ व अनुसंधान प्रयोगशालाओं की सहायता से पूर्व स्नातक उपाधि कक्षाएं जारी रहीं।

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित की गई पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के लिए कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईईईए) के माध्यम से बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम के द्वितीय बैच में कुल 30 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

विश्वविद्यालय का द्वितीय शैक्षणिक सत्र 1 अगस्त 2015 को माननीय कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में आयोजित अभिमुखन कार्यक्रम से आरंभ हुआ। नए प्रवेश पाए छात्रों को विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय दिया गया जिसमें विश्वविद्यालय की हाल की उपलब्धियों के साथ पृष्ठभूमि, लक्ष्य तथा संकाय की अपेक्षाओं को भी शामिल किया गया था। छात्रों को शैक्षणिक अनुशासन, छात्रवृत्तियों, छात्र कल्याण, आचार संहिता व अवसरों से अवगत कराया गया और बताया गया कि वे विश्वविद्यालय दल से किस प्रकार सहायता व मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। उन्हें खेलकूदों के महत्व, छात्र जीवन में सृजनात्मक कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, छात्रावास के वातावरण, भोजन के लिए किए गए प्रावधानों, पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में भी संक्षेप में बताया गया। छात्रों को बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम में उनके द्वारा लिए जाने वाले विभिन्न प्रमुख पाठ्यक्रमों व स्नातक पूर्व संरचना के बारे में अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने छात्रों से अनुसंधान एवं उद्यमशीलता को प्रश्रय देने की अपील की। उन्होंने कृषि क्लिनिकों व कृषि सेवा केन्द्रों सहित अपना स्वयं का व्यवसाय आरंभ करने के अलावा कृषि स्नातकों

के लिए प्लेसमेंट के व्यापक अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने शैक्षणिक क्षेत्र के अतिरिक्त खेल-कूद व अन्य गतिविधियों में सकल विकास प्राप्त करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया। अंततः 17 अगस्त 2015 को विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्रों ने नए प्रवेश पाए छात्रों के लिए एक मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें माननीय कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर समारोह को सुशोभित किया।

## 5. संकाय

नियुक्ति हेतु शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा, प्रशासनिक, मंत्रालयीन व अन्य पदों को सृजित करने व नियुक्ति करने की निहित शक्ति के अंतर्गत [विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 6 (x, xi)] विश्वविद्यालय की वित्त समिति व प्रबंधमंडल ने मुख्यालय तथा चार घटक महाविद्यालयों (कृषि महाविद्यालय; बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय; पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय और मात्स्यिकी महाविद्यालय) के लिए 254 शैक्षणिक व

234 शैक्षणिक इतर पदों के सृजन का अनुमोदन किया। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार पशुचिकित्सा विज्ञान को छोड़कर कृषि विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में पूर्व स्नातक/स्नातकोत्तर शिक्षा के न्यूनतम मानकों को अपनाते हुए संकाय संख्या प्रस्तावित की है। पशुचिकित्सा शिक्षा संबंधी मानदंडों का विनियमन भारतीय पशुचिकित्सा परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाएगा। प्रबंधमंडल के अनुमोदन के अनुसार विभिन्न पे बैंडों में शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर पदों के सृजन के लिए वित्त मंत्रालय की आवश्यक वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा चुका है। इस दौरान विश्वविद्यालय ने सक्षम एवं सुचारू शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्राध्यापक (16), एसोसिएट प्राध्यापक (04) और सहायक प्राध्यापक (14) के समतुल्य कैंडिडेट के सक्षम वैज्ञानिकों/शिक्षकों/अतिथि संकाय सदस्यों के रूप में नियुक्त किया। (अनुबंध III)

रिपोर्टाधीन शैक्षणिक वर्ष के दौरान बी.एससी. (ऑनर्स), कृषि के प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए:

### बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि प्रथम वर्ष

#### I. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एपीए 101	सस्यविज्ञान एवं कृषि मौसमविज्ञान के सिद्धांत	3 (2+1)
2.	एजीपी 111	आनुवंशिकी के सिद्धांत	3 (2+1)
3.	एपीएस 116	मृदा विज्ञान का परिचय	3 (2+1)
4.	एई 131	मृदा, जल एवं संरक्षण अभियांत्रिकी के मूल सिद्धांत	3 (2+1)
5.	एपीपी 136	पादप रोगजनक एवं पादप रोगविज्ञान के सिद्धांत	4 (3+1)
6.	एपीएच 101	फल फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी	3 (2+1)
7.	एपीए 102	परिचयात्मक कृषि	1 (1+0)
	<b>कुल क्रेडिट घंटे</b>		<b>20</b>



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

### II. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एपीपी 137	परिचयात्मक सूत्रकृमिविज्ञान	2(1+1)
2.	एबीएस 152	सांख्यिकी	2(1+1)
3.	एपीए 103	सूक्ष्म सिंचाई सहित जल प्रबंध	3(2+1)
4.	एजीपी 112	पादप प्रजनन के सिद्धांत	3(2+1)
5.	आईसी 126	कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धांत	2(2+0)
6.	एएसी 146	कृषि विस्तार के आयाम	2(1+1)
7.	एबीए 154	कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान	3(2+1)
8.	एबीसी 153	कम्प्यूटर अनुप्रयोगों का परिचय	2(1+1)
9.	एपीएस 117	मृदा विज्ञान, मृदा उर्वरता और पोषक तत्व प्रबंध	3(2+1)
10.	एबीएम 151	प्राथमिक गणित (कोई क्रेडिट नहीं)	2(2+0)एनसी
	<b>कुल क्रेडिट घंटे</b>		<b>22</b>

### बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि प्रथम वर्ष

### III. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एपीए 201	प्रयोगात्मक फसल उत्पादन (खरीफ फसलें)	1(0+1)
2.	एएसटी 241	बीज प्रौद्योगिकी के सिद्धांत	3(2+1)
3.	एपीई 221	कीट आकृतिविज्ञान एवं वर्गीकरणविज्ञान	3(2+1)
4.	आईसी 226	कृषि वित्त एवं सहकारिता	2(1+1)
5.	एआई 231	फार्म शक्ति एवं मशीनरी	2(1+1)
6.	एपीएच 211	सब्जियों और पुष्पों की उत्पादन प्रौद्योगिकी	3(2+1)
7.	एएलएम 266	पशुधन उत्पादन एवं प्रबंध	3(2+1)
8.	एपीए 202	जैविक खेती	3(2+1)
9.	एबीपी 251	फसल कार्यान्वयन	3(2+1)
	<b>कुल क्रेडिट घंटे</b>		<b>23</b>



#### IV. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	ईईसी 227	कृषि विपणन, व्यापार एवं मूल्य	2(1+1)
2.	एपीपी 236	खेत फसलों के रोग एवं उनका प्रबंध	3(2+1)
3.	एपीएस 216	खादें, उर्वरक एवं कृषि रसायन	3(2+1)
4.	एजीपी 211	फील्ड तथा बागवानी फसलों का प्रजनन	3(2+1)
5.	एई 232	सुरक्षित खेती एवं सस्योत्तर प्रौद्योगिकी	2(1+1)
6.	एपीएच 221	मसालों, औषधीय एवं रोपण फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी	3(2+1)
7.	एपीए 203	प्रयोगात्मक फसल उत्पादन II (तिलहन तथा वाणिज्यिक फसलें)	1(0+1)
8.	एपीई 222	कीट पारिस्थितिकी एवं लाभदायक कीटों सहित समेकित नाशकजीव प्रबंध	3(2+1)
कुल क्रेडिट घंटे			20

#### 6. अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना - चना उप केन्द्र

बुंदेलखंड क्षेत्र में उपज संबंधी गुणों के लिए चना जननद्रव्य की छंटाई हेतु प्रयोगों को शामिल करते हुए चने पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना उप केन्द्र का तकनीकी कार्यक्रम रबी 2015-16 से झांसी स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आरंभ किया गया। चने पर निम्नलिखित समन्वित परीक्षण आयोजित किए गये:

- 1. एवीटी-2 (देसी) 2. आईवीटी (देसी) 3. आईवीटी (देसी) बारानी 4. एवीटी 1 (काबुली) 5. आईवीटी (काबुली)
- शटल प्रजनन : अंतराल रोपण दशाओं के अंतर्गत अगली पीढ़ी के मूल्यांकन, चयन व आगे बढ़ाने के लिए 12 एफ<sub>2एस</sub> और 6 एफ<sub>3</sub> विपुल उगाए गए। लगभग 200 आशाजनक पौधों का चयन किया गया।
- काबुली और देसी चने के तीस (30) उन्नत किस्मों/जीनप्ररूपों का प्रदर्शन प्लाटों में झांसी की कृषि-पारिस्थितिक दशाओं के अंतर्गत उनकी

उपज क्षमता के लिए मूल्यांकन किया गया। देसी चने की किस्म बीजी 391, जिसके पौधे लंबे व सीधे खड़े होने वाले थे, से सर्वोच्च 31.74 क्विंटल/हैक्टर उपज प्राप्त हुई।

- जननद्रव्य मूल्यांकन : एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से देसी और काबुली चने के 202 वंशक्रम एकत्र किए गए। इन वंशक्रमों को रोग प्रतिक्रियाओं व अनुरक्षण के लिए प्रगुणित और मूल्यांकित किया गया।
- प्रविष्टि डीआईबीजी 202 ने रबी 2015-16 के दौरान बुंदेलखण्ड क्षेत्र में झांसी केन्द्र पर बारानी दशाओं के अंतर्गत सटीक वितान रखते हुए अच्छा निष्पादन दिया। इस जीनप्ररूप से 19.07 क्विंटल/हैक्टर उपज प्राप्त हुई जो झांसी में 'आईवीटी बारानी (देसी)' परीक्षण में अन्य प्रविष्टियों की तुलना में सर्वोच्च थी।

विश्वविद्यालय परिसर में चने पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना उप केन्द्र को सबल बनाने के लिए स्वीकृत वैज्ञानिक स्टाफ की भर्ती की गई।



## 7. विस्तार गतिविधियां

### 7.1 मेरा गांव मेरा गौरव (एमजीएमजी)

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पद चिहनों पर चलते हुए विश्वविद्यालय ने मेरा गांव मेरा गौरव (एमजीएमजी) कार्यक्रम के अंतर्गत खेती की सर्वश्रेष्ठ विधियों को बढ़ावा देने के लिए बबिना ब्लॉक के कंचनपुर गांव को गोद लिया है। इस स्कीम के अंतर्गत वैज्ञानिकों को उनकी सुविधा के अनुसार गांवों को चुनना होगा तथा चुने गए गांवों के सम्पर्क

योजना (आरकेवीवाई), मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आदि।

### 7.2 दलहनों और तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कार्यशाला

विश्वविद्यालय द्वारा 22 जून 2016 को अकबरपुर इटौरा गांव, जिला जालौन में बुंदेलखंड क्षेत्र में दलहनों और तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय



विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य किसानों से चर्चा करते हुए

में रहते हुए उन्हें उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत दौरों या किसानों से टेलीफोन पर सम्पर्क करते हुए एक निर्धारित समय सीमा में खेती से संबंधित तकनीकी व अन्य संबंधित पहलुओं के बारे में चुने गए गांव के किसानों को अवगत कराना होगा। तदनुसार इस उद्देश्य से वैज्ञानिकों के एक बहुविषयी दल का गठन किया गया। इस गांव के प्रगतशील किसानों को उनके लाभ के लिए भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई विभिन्न सरकारी योजनाओं/स्कीमों से अवगत कराया गया। ये स्कीमों थीं राष्ट्रीय फसल बीमा कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृषि विकास

के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, स्टाफ सदस्यों और छात्रों के अलावा लगभग 300 कृषकों व उत्तर प्रदेश के विभिन्न कृषि संस्थानों से आए विषयवस्तु विशेषज्ञों ने भाग लिया। अतिथि वक्ताओं में शामिल थे : श्री हृदय नाथ सिंह, अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक, गौ वंश विकास एवं कृषक कल्याण; श्री गोपाल दास पालिवाल, सदस्य, विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल और श्री श्याम बिहारी गुप्त, संयोजक एवं अधिष्ठाता, गौ रक्षा किसान विद्यापीठ, श्री विरेन्द्र पाण्डे, प्रबंधक, इंटर कॉलेज, इटौरा एवं कार्यक्रम सह-संयोजक तथा डॉ. जे.के. बाबेले, कृषि



कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार कार्यशाला में श्रोताओं को संबोधित करते हुए

विज्ञान संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी। इस कार्यशाला में बुंदेलखंड में दलहनों और तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के बारे में विस्तार से बताया गया तथा किसानों को तिल की 2 किस्मों नामतः टीकेजी 22 और टीकेजी 55 के बीज भी वितरित किए गए ताकि इन किस्मों के निष्पादन का मूल्यांकन किया जा सके।

## 8. अवसंरचनात्मक या बुनियादी ढांचे का विकास

वित्त समिति और प्रबंध मंडल ने क्रमशः दिनांक 21.09.2015 व 10.02.2016 को आयोजित अपनी बैठकों में प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक, पुस्तकालय, संकाय सदस्यों के आवासों, अतिथि गृह, वैज्ञानिक आवास, अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह, छात्रावासों,



प्रबंध मंडल की दूसरी बैठक के दौरान आरएलबीसीएयू और एनबीसीसी के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान





## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

सभागार, एटिक केन्द्र एवं संग्रहालय भूतल, झांसी और दतिया में स्थल विकास, झांसी और दतिया में अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए पूर्व निर्मित संरचनाओं के प्रस्तावित निर्माण के लिए 254 करोड़ रुपये की सीमा निर्धारित करते हुए बजट व्यय को स्वीकृति प्रदान की। यह कार्य विश्वविद्यालय द्वारा 2015-17 की अवधि के दौरान अनुमोदित निर्माण एजेंसी के माध्यम से कराए जाने हैं, बशर्ते कि इनके लिए निधियां उपलब्ध हों। इस उद्देश्य से अनुमोदित निर्माण एजेंसी एनबीसीसी और आरएलबीसीएयू के बीच बुनियादी ढांचे के विकास हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए तथा उनका आदान-प्रदान विश्वविद्यालय, वित्त समिति तथा प्रबंध मंडल द्वारा मसौदे की स्वीकृति के पश्चात् 10 फरवरी 2016 को कुलपति व श्री ए. मुमूर्ति, महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी), एनबीसीसी, भोपाल के बीच हुआ। विश्वविद्यालय भवन एवं निर्माण कार्य समिति का गठन अधिनियम के वैधानिक पैरा 12(4)(xv) के अनुसार ऐसी समिति के लिए प्रबंध मंडल को शक्तियां प्रदान करने व विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 37 के अंतर्गत उपलब्ध प्रावधानों के अंतर्गत किया गया (अनुबंध IV), ताकि बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को शीघ्र से शीघ्र पूरा किया जा सके। इस समिति के अध्यक्ष माननीय कुलपति हैं तथा कम से कम कार्यपालक अभियंता की श्रेणी का निर्माण एजेंसी का प्रतिनिधि, वित्त समिति का एक सदस्य, लेखानियंत्रक, विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ता विभाग का एक प्रतिनिधि, कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के दो शिक्षक, राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता या उनके द्वारा कम से कम प्राध्यापक श्रेणी का एक नामित; कुलपति द्वारा नामित सिविल अभियांत्रिकी/निर्माण प्रबंध का एक विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किया गया विश्वविद्यालय अभियंता/परामर्शक सदस्य हैं तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव इस समिति के सदस्य-सचिव होंगे। निर्माण का शुभारंभ मुख्य भवन

योजना को अंतिम रूप देने व प्राथमिक आंकलनों के पश्चात् किया जाना है।

### 9. वित्त एवं बजट

विश्वविद्यालय को अपनी गतिविधियां सम्पन्न करने के लिए कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से निधियां प्राप्त होती हैं। शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के दौरान विश्वविद्यालय को केवल 10.00 करोड़ रुपये का बजट आबंटित किया गया। दिनांक 31 मार्च 2016 को तुलन-पत्र तथा 31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा अनुबंध VI और VII में दिए गए हैं।

### 10. अन्य प्रमुख गतिविधियां/कार्यक्रम

#### 10.1 स्वतंत्रता दिवस समारोह

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के नए सत्र का शुभारंभ 28 जुलाई 2015 से हुआ। इस वर्ष बी. एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम में 30 नए छात्रों को प्रवेश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने ध्वजारोहण किया तथा छात्रों व संकाय सदस्यों को सम्बोधित किया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के हमारे जीवन में महत्व के बारे में चर्चा की व छात्रों को बताया कि किस प्रकार हमने अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की। उन्होंने देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुश्री प्रमोद कुमारी राजपूत, सदस्य, प्रबंध मंडल उपस्थित थीं।

#### 10.2 कुलाधिपति की नियुक्ति

भारत के माननीय राष्ट्रपति तथा पदेन विजिटर ने प्रो. डॉ. पंजाब सिंह, पूर्व सचिव, डेयर व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा पूर्व कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को रानी



लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कुलाधिपति के रूप में दिनांक 1 जनवरी 2016 से 5 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया। यह नियुक्ति विश्वविद्यालय के विधानों की अनुसूची की धारा 1(1) के अनुसार की गई। रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय

कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कुलाधिपति प्रो. पंजाब सिंह ने 10 मार्च 2016 को पहली बार विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा विश्वविद्यालय के स्टाफ व छात्रों के साथ विचार-विमर्श किया।

### 10.3 गणतंत्र दिवस समारोह

दिनांक 26 जनवरी 2016 को रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में गणतंत्र दिवस मनाया गया। डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति ने ध्वजारोहण किया तथा विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों व अन्य स्टाफ को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सुश्री प्रमोद कुमारी राजपूत, सदस्य, प्रबंध मंडल भी उपस्थित थीं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों को सबल बनाने के



गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

लिए भावी दिशा व कार्यनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों तथा स्टाफ सदस्यों को कृषि क्षेत्र में तेजी लाने के लिए भारत सरकार द्वारा आरंभ की जाने वाली विभिन्न योजनाओं व प्रयासों के बारे में बताया। बुंदेलखंड क्षेत्र को दलहन उगाने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र मानते हुए कुलपति महोदय ने दालों का उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पोषण सुरक्षा पर दिए गए बल को दृष्टिगत रखते हुए देश में दलहनों का उत्पादन बढ़ाना और भी महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हो जाता है।

### 10.4 प्रथम कुलसचिव की नियुक्ति

विश्वविद्यालय के लिए विधानों की धारा 43 (ख) के अनुसार भारत के माननीय राष्ट्रपति पदेन विजिटर आरएलबीसीएयू, झांसी ने डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, प्राध्यापक, पादप रोगविज्ञान, चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर को दिनांक 4 अप्रैल 2016 से तीन वर्ष की अवधि के लिए रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी का कुलसचिव नियुक्त किया।

### 10.5 स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरणा लेते हुए रानी



सफाई की ओर

लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के स्टाफ सदस्यों व छात्रों ने माननीय कुलपति के नेतृत्व में परिसर तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए एक गहन अभियान आरंभ किया। दिनांक 16 से 30 मई 2016 तक एक पखवाड़े के कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समुदाय को पर्यावरण और स्वास्थ्य के लाभ के लिए परिसरों में सफाई रखने के लिए स्वच्छ भारत अभियान के बारे में संक्षेप में बताया गया।

### 10.6 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

योग जीवन का सम्पूर्ण विज्ञान है जिसका संबंध भौतिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य से है। यह अत्यधिक विलक्षण विज्ञान पर आधारित है जिसमें मस्तिष्क तथा शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। योग से सहयोग भावना तथा आपसी संवाद में भी वृद्धि होती है। वर्ष 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्वभर में अब 21 जून को मनाया जाता है। विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2015 द्वारा सृजित गति को आगे ले जाने का निर्णय लिया है, जिसमें वर्तमान वर्ष के आयोजनों के दौरान युवाओं की अधिक से अधिक सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति तथा विश्वविद्यालय



सौहार्द एवं शांति के लिए योग



के वैज्ञानिकों, स्टाफ सदस्यों तथा छात्रों ने रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में 21 जून 2016 को आयोजित योग दिवस में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने की शपथ ली। एकत्रित लोगों ने विभिन्न आसन, प्राणायाम और तनाव मुक्ति संबंधी व्यायाम किए। तनाव से बचने और उसका प्रबंध करने में योग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई ताकि स्वस्थ जीवन जिया जा सके। दो घंटे के इस कार्यक्रम का समापन हंसी योग तथा विश्व शांति और सौहार्द की प्रार्थना के साथ हुआ।



श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री पुरस्कार प्रदान करते हुए

### 10.7 हरित रत्न पुरस्कार

डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति को कृषि में युवाओं के सशक्तीकरण व शैक्षणिक सुधारों को बढ़ावा देने में विशेष रूप से उनके द्वारा किए गए प्रयासों तथा उच्चतर कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कार्य के लिए आल इंडिया स्टुडेंट्स एसोसिएशन ऑफ एग्रीकल्चर (एआईएसए) द्वारा हरित रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक समारोह में माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह द्वारा प्रदान किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (शिक्षा) के रूप में डॉ. अरविन्द कुमार ने अनेक नई पहलें

कीं जैसे कृषि शिक्षा दिवस, ई-पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति और कृषि में विज्ञान से प्रेरित क्रांति के लिए गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन सृजित करने हेतु अति वांछित सुधारों के लिए नए पूर्व स्नातक कार्यक्रमों का शुभारंभ।

### वर्ष 2016-17 के लिए भावी दिशा

- स्नातकोत्तर अध्ययनों के लिए रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक विनियमों का निर्धारण
- बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम को जारी रखना
- बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी तथा बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी कार्यक्रमों का शुभारंभ
- विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक महाविद्यालयों के लिए शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर पदों का सृजन
- पूर्व निर्मित संरचनाओं तथा अनुमोदित भवनों के निर्माण का शुभारंभ।



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

### अनुबंध I

### विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल का संघटन

(रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की अनुसूची के पैरा 12(1) के अनुसार)

क्र.सं.	संघटन	नाम और पदनाम	स्तर
1.	कुलपति (अनुसूची की धारा 12 (1) (i))	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति, आरएलबीसीएयू, झांसी	पदेन अध्यक्ष
2.	चार सचिव, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश राज्यों के कृषि एवं पशुपालन, मात्स्यकी एवं बागवानी विभागों के प्रभावी सचिवों में से जिन्हें विजिटर द्वारा क्रमानुसार नामित किया जाना है: बशर्ते कि एक विशेष समय में मंडल में एक राज्य के दो से अधिक सचिव नहीं होंगे। (अनुसूची की धारा 12 (1)(ii) के अनुसार)	1. प्रधान सचिव, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ-226001 2. प्रधान सचिव, पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ-226001 3. श्री राजेश रजौरा, प्रधान सचिव, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल- 462003 4. श्री प्रभांशु कमल, प्रधान सचिव, पशुपालन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल- 462003	सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य
3.	विजिटर द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (अनुसूची की धारा 12 (1) (iii) के अनुसार)	1. डॉ. एस.सी. मुदगल, पूर्व महानिदेशक, यूपीसीएआर, लखनऊ एवं पूर्व कुलपति, जीबीपीयूएटी, पंतनगर, 6, राजदीप इन्कलेव, फेज-II, 100 फुट रोड, दयाल बाग, आगरा-282005 2. डॉ. के.आर. धीमन, पूर्व कुलपति, वाई.एस. परमार, बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्याय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, ताशीलिंग कॉटेज, बीसीएस के नीचे, फेज-3, नया शिमला, शिमला-171009 3. डॉ. बी.वी. पाटिल, शिक्षा निदेशक एवं पूर्व कुलपति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचुर-584104	सदस्य सदस्य सदस्य
4.	विजिटर द्वारा नामित कृषि विकास में विशिष्ट ज्ञान से युक्त कृषि आधारित उद्योगों या विनिर्माता का प्रतिनिधित्व करने वाला एक विशिष्ट व्यक्ति (अनुसूची की धारा 12 (1) (iv) के अनुसार)	श्री एन. कुमार, देवराहल्ली, डाकघर लक्ष्मीनगर, ताल्लुक सिरसा, जिला टुमकुर-572 139, कर्नाटक, द्वारा सिदेश्वरा गौड़ा, सेवानिवृत्ति एस. पी. कन्ना कॉटेज, 16वां क्रॉस, एसआईटी एक्सटेंशन, नंदीश लेआउट टुमकुर-572 103	सदस्य
5.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का प्रतिनिधित्व करते हुए उप महानिदेशक (शिक्षा) (अनुसूची की धारा 12(1)(अ) के अनुसार)	डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प., कृषि अनुसंधान भवन. II, पूसा, नई दिल्ली-110 012	सदस्य



वार्षिक रिपोर्ट 2015-16

क्र.सं.	संघटन	नाम और पदनाम	स्तर
6.	कुलपति द्वारा क्रम के आधार पर नामित महाविद्यालय का एक अधिष्ठाता तथा एक निदेशक (अनुसूची की धारा 12 (1) (vi) के अनुसार)	1. डॉ. (श्रीमती) मृदुला बिल्लौर, अधिष्ठाता, बी. एम. कृषि महाविद्यालय, खण्डवा- 450001 2. डॉ. पी.के. घोष, निदेशक, आईजीएफआरआई, झांसी- 284 003	सदस्य सदस्य
7.	मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में क्रमानुसार कुलपति द्वारा नामित बुंदेलखंड में कम से कम एक महिला कृषक का प्रतिनिधित्व करने वाली एक प्रतिनिधि सहित तीन व्यक्ति। बशर्ते कि एक समय में मंडल में एक राज्य के दो से अधिक प्रतिनिधि नहीं होंगे। (अनुसूची की धारा 12 (1) (vii) के अनुसार)	1. श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत, गोंडु कम्पाउंड, सिविल लाइंस, झांसी- 284 001 2. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह यादव, यादव कम्प्लैक्स, कुमकुम टॉकीज के निकट, पन्ना- 411002 3. श्री गोपाल दास पालीवाल, कस्बा- कुरारा, वार्ड 11, पालीवाल मोहल, जनपथ हमीरपुर- 210505	सदस्य सदस्य सदस्य
8.	एक परामर्शक (कृषि), योजना आयोग (अनुसूची की धारा 12 (1) (viii) के अनुसार)	डॉ. जे.पी. मिश्र, परामर्शक (कृषि), नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली- 110 049	सदस्य
9.	विजिटर द्वारा नामित प्राकृतिक संसाधन या पर्यावरण प्रबंध पर एक विशिष्ट प्राधिकारी (अनुसूची की धारा 12 (1) (ix) के अनुसार)	प्रो. अनिल कुमार सिंह, पूर्व उप महानिदेशक (एनआरएम), भा.कृ.अ.प., कुलपति, राजमाता विजय राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर- 474 002	सदस्य
10.	भारत सरकार के संबंधित सचिव द्वारा नामित कृषि एवं पशुपालन से संबंधित भारत सरकार के विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कम से कम संयुक्त सचिव के स्तर के दो व्यक्ति (अनुसूची की धारा 12 (1) (x) के अनुसार)	1. श्री संजय लोहिया, संयुक्त सचिव (फसलें), कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली- 110 001 2. श्रीमती रजनी सेखरी सिबल, संयुक्त सचिव (सी और डीडी), पशुपालन, डेरी और मात्स्यकी विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली- 110 001	सदस्य सदस्य
11.	कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सचिव का एक नामित (अनुसूची की धारा 12 (1) (xi) के अनुसार)	अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अ.प., कृषि भवन, नई दिल्ली-110 001	सदस्य
12.	विश्वविद्यालय का कुलसचिव-सचिव (अनुसूची की धारा 12 (1) (xii) के अनुसार)	डा. मुकेश श्रीवास्तव (अप्रैल 2016 से)	सचिव



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

### अनुबंध II

### विश्वविद्यालय की वित्त समिति का संघटन

(रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की अनुसूची के पैरा 17(1) के अनुसार)

क्र.सं.	संघटन	नाम और पदनाम	स्तर
1.	कुलपति (अनुसूची की धारा 17(1) (i) के अनुसार)	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति, आरएलबीसीएयू, झांसी	अध्यक्ष
2.	वित्तीय सलाहकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग या कम से कम उप सचिव स्तर का उसका नामित (अनुसूची की धारा 17(1) (ii) के अनुसार)	श्री सुनील कुमार सिंह, वित्तीय सलाहकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली- 110 001	सदस्य
3.	मण्डल द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिनमें से कम से कम एक मंडल का सदस्य होगा (अनुसूची की धारा 17(1) (iii) के अनुसार)	1. डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प., केएबी-II, पूसा, नई दिल्ली- 110 012 2. डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति, राजमाता विजय राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर- 474 002 (मध्य प्रदेश) 3. डॉ. एम. प्रेमजीत सिंह, कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल- 795 004 (मणिपुर)	सदस्य सदस्य सदस्य
4.	विजिटर द्वारा नामित तीन व्यक्ति (अनुसूची की धारा 17 (1)(iv) के अनुसार)	1. डॉ. पी.एल. गौतम, पूर्व अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण तथा पूर्व कुलपति, जीबीपीयूए और टी, पतनगर; म.सं. 118, एचपी हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बिंद्राबन, पालमपुर जिला, कांगड़ा- 176 061 (हिमाचल प्रदेश) 2. प्रो. डी.पी. रे, पूर्व कुलपति, ओयूए और टी, भुवनेश्वर; एचआईजी- 105, कलिंग विहार, के-5, डाकघर पात्रपाड़ा जिला खुर्दा, भुवनेश्वर- 751 019, ओडिशा 3. श्री बी.एस. रामासामी, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (सेवानिवृत्त), इस्पात एवं खान मंत्रालय (भारत सरकार); 140, मंदाकिनी इन्कलेव, अलकनंदा, नई दिल्ली- 110019	सदस्य सदस्य सदस्य
5.	विश्वविद्यालय का लेखानियंत्रक (अनुसूची की धारा 17(1)(v) के अनुसार)	रिक्त	सदस्य- सचिव

**बी.एससी. ( ऑनर्स ) कृषि द्वितीय वर्ष के लिए शिक्षण संकाय**

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
<b>I. सेमिस्टर</b>			
1.	डॉ. राम नेवाज	कोर्स लीडर, प्रधान वैज्ञानिक (सस्यविज्ञान), भा.कृ.अ.प.- सीएएफआरआई, झांसी	सस्यविज्ञान एवं कृषि मौसमविज्ञान के सिद्धांत
2.	डॉ. एस.के. राय	प्रधान वैज्ञानिक (कृषिमौसम विज्ञान), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	सस्यविज्ञान एवं कृषि मौसमविज्ञान के सिद्धांत
3.	डॉ. जी.पी. शुक्ला	सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक (पादप प्रजनन), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	आनुवंशिकी की सिद्धांत
4.	डॉ. अनिल कुमार	प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	पादप रोगजनक तथा पादप रोगविज्ञान के सिद्धांत
5.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	कोर्स लीडर, प्रधान वैज्ञानिक (मृदा उर्वरता एवं सूक्ष्मजीवविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	मृदा विज्ञान का परिचय
6.	डॉ. धीरज कुमार	वैज्ञानिक (मृदाविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	मृदा विज्ञान का परिचय
7.	डॉ. एस.के. त्रिपाठी	सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक (मृदाविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	मृदा विज्ञान का परिचय
8.	डॉ. रमेश सिंह	कोर्स लीडर/प्रधान वैज्ञानिक (मृदा एवं जल संरक्षण), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	मृदा जल संरक्षण एवं अभियांत्रिकी के मूलभूत सिद्धांत
9.	डॉ. देव नारायण	प्रधान वैज्ञानिक (मृदा एवं जल संरक्षण), भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान केन्द्र संस्थान, दतिया	मृदा जल संरक्षण एवं अभियांत्रिकी के मूलभूत सिद्धांत
10.	डॉ. आर. के. तिवारी	कोर्स लीडर, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	फल फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी
11.	डॉ. आर. पी. द्विवेदी	प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धांत
12.	डॉ. महेन्द्र सिंह	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धांत; कृषि वित्त एवं सहकारिता
13.	डॉ. आशा राम	वैज्ञानिक (सस्यविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	प्रायोगिक फसल उत्पादन। (अनाज, दलहन तथा चारा फसलें) जैविक खेती
14.	डॉ. इन्दर देव	प्रधान वैज्ञानिक (सस्यविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	प्रायोगिक फसल उत्पादन। (अनाज, दलहन तथा चारा फसलें) तथा जैविक खेती
15.	डॉ. आर.बी. भास्कर	सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	बीज प्रौद्योगिकी के सिद्धांत



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
16.	डॉ. एन.के. शाह	प्रधान वैज्ञानिक (कीटविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	कीट आकृतिविज्ञान तथा वर्गीकरण विज्ञान
17.	डॉ. एच.एस. भदोरिया	सहायक प्राध्यापक (कृषि अभियांत्रिकी), आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर	फार्म शक्ति एवं मशीनरी
18.	इंजी. जी.आ. देशमुख	तकनीकी अधिकारी (कृषि अभियांत्रिकी), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	फार्म शक्ति एवं मशीनरी
19.	डॉ. डी. एस. यादव	डीएचओ, बागवानी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, झांसी	सब्जियों तथा फूलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी
20.	डॉ. ए.बी. मजुमदार	सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक (पशु पोषण), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	पशुधन उत्पादन तथा प्रबंध
21.	डॉ. राजदीप	प्राध्यापक (फसल कार्यािकी), बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	फसल कार्यािकी
<b>II. सेमिस्टर</b>			
1.	डॉ. एम.के. यादव	अध्यापन सहायक (पादप रोगविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	परिचयात्मक सूत्रकृमि; फील्ड फसलों के रोग तथा उनका प्रबंध
2.	डॉ. अनिल कुमार	प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	परिचयात्मक सूत्रकृमि; फील्ड फसलों के रोग तथा उनका प्रबंध
3.	डॉ. शमिम अंसारी	वरिष्ठ लैक्चरर, बैंकिंग विभाग, अर्थशास्त्र, एवं वित्त बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	सांख्यिकी
4.	डॉ. मधुलिका पाण्डे	अध्यापन सहायक (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सूक्ष्म सिंचाई सहित जल प्रबंध
5.	डॉ. देव नारायण	प्रधान वैज्ञानिक (मृदा एवं जल संरक्षण), भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान केन्द्र संस्थान, दतिया	सूक्ष्म सिंचाई सहित जल प्रबंध
6.	डॉ. एम.के. सिंह	अध्यापन सहायक (पादप रोगविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप प्रजनन के सिद्धांत; फील्ड प्रजनन/बागवानी फसलें
7.	डॉ. जी.पी. शुक्ला	सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक (पादप प्रजनन), भा.कृ.अ.प. - आईजीएफआरआई, झांसी	पादप प्रजनन के सिद्धांत
8.	डॉ. सी.बी. सिंह	वरिष्ठ लेक्चर (अर्थशास्त्र), अर्थशास्त्र एवं वित्त संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	कृषि विस्तार के सिद्धांत
9.	डॉ. आर.पी. द्विवेदी	प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कृषि विस्तार के आयाम
10.	डॉ. ऋषि कुमार सक्सेना	अध्यक्ष (सूक्ष्मजीवविज्ञान), बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान
11.	डॉ. अशोक शुक्ला	डीएसटी वैज्ञानिक (सूक्ष्मजीवविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान
12.	डॉ. आर.एच. रिजवी	प्रधान वैज्ञानिक (कम्प्यूटर साइंस), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कम्प्यूटर अनुप्रयोग से परिचय

वार्षिक रिपोर्ट 2015-16

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
13.	डॉ. अमित जैन	अनुसंधान सहायक (कम्प्यूटर साइंस), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कम्प्यूटर अनुप्रयोग से परिचय
14.	डॉ. एस.के. सिंह	अध्यापन सहायक (मृदाविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	मृदा रसायनविज्ञान, मृदा उर्वरता एवं पोषण प्रबंध
15.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	कोर्स लीडर, प्रधान वैज्ञानिक (मृदा उर्वरता एवं सूक्ष्मजीवविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	मृदा रसायनविज्ञान, मृदा उर्वरता एवं पोषण प्रबंध
16.	डॉ. धीरज कुमार	वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	मृदा रसायनविज्ञान, मृदा उर्वरता एवं पोषण प्रबंध
17.	डॉ. सुषमा शर्मा	द्वारा डॉ. नरेश भारद्वाज, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषिवानिकी), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	गणितीय अपूर्णता
18.	डॉ. आशा राम	वैज्ञानिक (सस्यविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	प्रायोगिक फसल उत्पादन II (तेल बीज एवं व्यावसायिक फसलें) खाद, उर्वरक एवं कृषिरसायन
19.	डॉ. इंदर देव	प्रधान वैज्ञानिक (सस्यविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	प्रायोगिक फसल उत्पादन II (तेल बीज एवं व्यावसायिक फसलें) खाद, उर्वरक एवं कृषिरसायन
20.	डॉ. उषा	अध्यापन सहायक (कीटविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	कीट लाभार्थ सहित कीट पारिस्थितिकी एवं समेकित नाशीजीव प्रबंध
21.	डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव	डीएसटी वैज्ञानिक (कीटविज्ञान), भा.कृ.अ.प. - सीएएफआरआई, झांसी	कीट लाभार्थ सहित कीट पारिस्थितिकी एवं समेकित नाशीजीव प्रबंध
22.	डॉ. महेन्द्र सिंह	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र), सीएएफआरआई, झांसी	कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धांत
23.	डॉ. आर.पी. मौर्या	अध्यापन सहायक (बागवानी), आरएलबीसीएयू, झांसी	संरक्षित खेती तथा कटाई उपरांत प्रौद्योगिक; सुगंधित मसाला औषधीय एवं रोपण फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी; फील्ड प्रजनन/बागवानी फसलें
24.	डॉ. डी.एस. यादव	डीएचओ, बागवानी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, झांसी	मसाले, सुगंधित औषधीय एवं रोपण फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी; फील्ड/बागवानी फसलों का प्रजनन



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

### अनुबंध IV

#### विश्वविद्यालय की भवन एवं निर्माण कार्य समिति का संघटन

(संकल्प संख्या आरएलबीसीएयू/बीओएम/3/8/2016 दिनांक 3 जून 2016 के द्वारा) रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, 2014 के विधानों की धारा 37 पैरा 12 (4)(15) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रबंध मंडल द्वारा गठित

क्र.सं.	सदस्य	नाम
1.	कुलपति (अध्यक्ष)	डॉ. अरविन्द कुमार
2.	कम से कम कार्यपालक अभियंता की श्रेणी का निर्माण एजेंसी का प्रतिनिधि	श्री ए. मुमूर्ति, महा प्रबंधक, एनबीसीसी, भोपाल
3.	कुलपति द्वारा नामित वित्तीय समिति का एक सदस्य	डॉ. पी.एल. गौतम, पूर्व अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण तथा पूर्व कुलपति, जीबीपीयूए और टी, पंतनगर; मकान सं. 118, एचपी हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बिंद्राबन, पालमपुर, जिला कांगड़ा- 176 061 (हिमाचल प्रदेश)
4.	लेखानियंत्रक	लेखानियंत्रक/श्री एम.के. मुलानी, वित्त एवं लेखा अधिकारी
5.	उपयोगकर्ता विभाग का एक प्रतिनिधि	डॉ. मृदुला बिल्लौर, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, खंडवा (मध्य प्रदेश)
6.	कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के दो शिक्षक	डॉ. मीनाक्षी आर्य (वैज्ञानिक, पादप रोगविज्ञान) डॉ. अंशुमान सिंह (वैज्ञानिक, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन)
7.	शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय से अधिष्ठता या कम से कम प्राध्यापक की श्रेणी का उनका नामिति	प्रो. शैलेन्द्र जैन, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, विद्युत, अभियांत्रिकी, एमएनआईटी, भोपाल
8.	कुलपति द्वारा नामित सिविल अभियांत्रिकी/निर्माण प्रबंध में एक विशेषज्ञ	प्रो. अनिल सक्सेना, प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, एमआईटीएस, ग्वालियर
9.	विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त विश्वविद्यालय अभियंता/परामर्शक	विश्वविद्यालय अभियंता/परामर्शक
10.	कुलसचिव-सदस्य सचिव	डॉ. मुकेश श्रीवास्तव

**रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी**

वर्ष 2015-16 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर

**बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि**

**प्रथम सेमिस्टर**

पंजीकरण और प्रवेश की तिथि	01.08.2015
अभिमुखन	
कुलपति के साथ अभिमुखन कार्यक्रम	01.08.2015
अभिमुखन : सीएफआरआई, झांसी	01.08.2015
अभिमुखन : आईजीएफआरआई, झांसी	01.08.2015
कक्षाओं का शुभारंभ	03.08.2015
फ्रेशर्स डे/सांस्कृतिक संध्या	15.08.2015
मध्यावधि-सेमिस्टर परीक्षा	13.10.2015 से 20.10.15
शिक्षकों से डीन को मध्य सेमिस्टर रिपोर्ट	26.10.2015
अनुदेशों की समाप्ति	02.01.2016
तैयारी के लिए अवकाश	03.01.2016 से 04.01.2016
अंतिम सत्र परीक्षा (सिद्धांत तथा प्रयोगात्मक)	05.01.2016 से 17.01.2016
सेमिस्टर अवकाश	18.01.2016 से 24.01.2016

अगले सेमिस्टर का 25.01.2016 से शुभारंभ

**द्वितीय सेमिस्टर**

पंजीकरण की तिथि	25.01.2016
कक्षाओं का शुभारंभ	27.01.2016
पंजीकरण की अंतिम तिथि	30.01.2016
मध्य सत्र सेमिस्टर परीक्षा	11.04.2016 से 22.04.2016
शिक्षकों से डीन को मध्य सेमिस्टर रिपोर्ट	25.04.2016
अनुदेशों की समाप्ति	22.06.2016
तैयारी के लिए अवकाश	23.06.2016 से 24.06.2016
अंतिम सत्र परीक्षा (सिद्धांत तथा प्रयोगात्मक)	25.06.2016 से 07.07.2016
सेमिस्टर अवकाश	08.07.2016 से 23.07.2016

अगले सेमिस्टर का 25.07.2016 से शुभारंभ



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

अनुबंध VI

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी  
वार्षिक लेखा 2015-16

31 मार्च 2016 को लेखापरीक्षा पूर्व तुलन पत्र

कॉर्पस/पूँजी निधि एवं देयताएं			
	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
कॉर्पस/पूँजीगत निधि	1	3906027.00	263031.00
आरक्षित निधि	2	0.00	00.0
निश्चित की गई/बंदोबस्ती निधि	3	0.00	00.0
चालू देयताएं एवं प्रावधान	4	90918317.00	8199036.00
<b>कुल</b>		<b>94824344.00</b>	<b>8462067.00</b>
परिसम्पत्तियां			
अचल परिसम्पत्तियां	5	2649927.00	206711.00
निवेश-निश्चित की गई/बंदोबस्ती निधियां	6	0.00	00.0
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण तथा पेशगियां	7	92174417.00	8255356.00
<b>कुल</b>		<b>94824344.00</b>	<b>0.00</b>

ह.  
कुलपति

ह.  
वित्त एवं लेखा अधिकारी



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी  
वार्षिक लेखा 2015-16

31 मार्च 2016 को समाप्ति वर्ष के लिए लेखा परीक्षा पूर्व आय एवं व्यय का लेखा

(राशि रुपयों में)

1. आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
डेयर से प्राप्त अनुदान	8	7570444	1785525
बिक्री तथा सेवाओं से आय	9	0	0
शैक्षणिक प्राप्तियां	10	171380	56320
निवेशों से आय	11	0	0
रायल्टी/प्रकाशनों से आय	12	0	0
अर्जित ब्याज	13	996925	0
अन्य आय	14	31475	0
पूर्वावधि आय	15	0	0
<b>कुल (क)</b>		<b>8770224</b>	<b>1841845</b>
<b>ख. व्यय</b>			
स्थापना व्यय	16	1848704	1503500
प्रशासनिक व्यय	17	1724223	62013
शैक्षणिक व्यय	18	3669973	215350
अनुसंधान व्यय	19	9215	0
विस्तार गतिविधियों पर व्यय	20	0	0
अन्य व्यय	21	318329	4662
पूर्वावधि व्यय	22	0	0
मूल्यहास	5	214419	19453
<b>कुल (ख)</b>		<b>7784863</b>	<b>1804978</b>
शेष अतिरिक्त राशि/(कमी) कॉर्पस को लाई गई/पूजीगत निधि है		<b>985361</b>	<b>36867</b>

ह.  
कुलपति

ह.  
वित्त एवं लेखा अधिकारी



## रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

अनुबंध VIII

### वैधानिक अधिकारी

विश्वविद्यालय के वैधानिक अधिकारियों की सूची वर्ष 2015-16

#### विजिटर

श्री प्रणब मुखर्जी  
भारत के माननीय राष्ट्रपति

#### कुलाधिपति

प्रो. डा. पंजाब सिंह  
पूर्व सचिव, डेयर व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा  
पूर्व कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (जनवरी 2016 से)

#### कुलपति

डा. अरविन्द कुमार  
(मई 2014 से)

#### कुलसचिव

डा. मुकेश श्रीवास्तव  
(अप्रैल 2016 से)

# **RLB CAU**

# **ANNUAL REPORT**

## **2015-16**

**July, 2015 – June, 2016**



**Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University**  
JHANSI 284 003, India

# **Annual Report 2015 - 2016**

**(July, 2015 to June, 2016)**

*Telephone No.* : 0510-2730555, 0510-2730777  
*Fax* : 0510-2730555  
*E-mail* : [vcrlbcau@gmail.com](mailto:vcrlbcau@gmail.com)  
*Website* : <http://www.rlbcau.ac.in>

## ***Published by***

**Dr. Mukesh Srivastava**

Registrar

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University

Jhansi 284 003

## ***Compiled & Edited by***

**Dr. Kusumakar Sharma**

Consultant

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University

Jhansi 284 003

**Dr. Mukesh Srivastava**

Registrar

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University

Jhansi 284 003

## ***Acknowledgement***

ICAR-Directorate of Knowledge Management in Agriculture (DKMA)  
Indian Council of Agricultural Research, Krishi Anusandhan Bhavan-I,  
Pusa Campus, New Delhi 110012

# Foreword

I present before you the second Annual Report of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University (RLBCAU) highlighting the important developments and milestones achieved by the University during the year 2015-16. Serving as an Institution of national importance to promote science based sustainable agriculture and agricultural production in the country with an emphasis on the Bundelkhand region; efforts were made to sort out challenges to realize its objectives defined in the University Act. The University consolidated its academic activities for imparting quality education by promulgating Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Academic Regulations-2015 for Undergraduate Studies with the approval of Board of Management. The University enrolled second batch of 30 students for the degree of B.Sc (Hons.) Agriculture admitted through All India Entrance Examination in Agriculture and Allied Sciences (AIEEA) for UG programmes conducted by the Indian Council of Agricultural Research. The University signed a Memorandum of Agreement with NBCC for its infrastructural development. In the first phase, the University proposes to initiate construction of Pre-fabricated Structures at Jhansi & Datia, Administrative Building at Jhansi, Hostel, V.C. and some Faculty Residences, and Academic Building for College of Agriculture, Horticulture and Forestry. The research activities also gained momentum after the recruitment of scientific staff sanctioned to the University under ICAR AICRP Chick-pea. A proposal for creation of various teaching and non-teaching positions for different constituent colleges of the University was formulated with the approval of BOM and Finance committee and sent to Ministry of Finance, Government of India for necessary concurrence. Following the footsteps of Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, the University adopted a village to promote best farming practices under the programme Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG) programme for increasing farm productivity and production. The University is also an active participant of Swach Bharat Abhiyan (SBA).

The University is fortunate to welcome Professor Dr. Panjab Singh, Former Secretary, DARE and DG, ICAR as first Chancellor of the University appointed by Hon'ble President of India as its Visitor. The University will be greatly benefitted through the vision, inspiration and guidance of our Hon'ble Chancellor.



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

The University was greatly motivated in its efforts by the vision, encouragement and support of Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble Visitor of the University and Shri Radha Mohan Singh Ji, Hon'ble Union Minister for Agriculture and Farmers Welfare, Government of India. My gratitude to the Central and State Governments, Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India, Indian Council of Agricultural Research, Hon'ble Members of University Board of Management and Finance Committee for their guidance and support to carry out our various activities. I thank Mr. Jawahar Lal Sharma, Administrative Officer, ICAR-CAFRI, Jhansi and Mr. Mahesh Mulani, Finance and Account Officer, ICAR-IGFRI, Jhansi, who looked after Administrative and Finance related work of the University, respectively. I gratefully acknowledge the support received from my colleagues, consultants and students who made these achievements possible. I am sure that all would be benefited by the information given in this report and it will help them understand the sustained efforts taken by our university.

Dated: 17.11.2016

Place: Jhansi

(Arvind Kumar)

Vice Chancellor

# Contents

<i>Foreword</i>	<i>iii</i>
<b>The University</b>	<b>1</b>
1. Introduction	2
2. Goals	2
3. University Authorities and Governance	2
4. Academic Activities	6
5. Faculty	7
6. AICRP- Chickpea sub-centre	9
7. Extension Activities	9
8. Infrastructural Development	11
9. Finance and Budget	12
10. Other Major Activities/Events	12
Annexure I	16
Annexure II	18
Annexure III	19
Annexure IV	22
Annexure V	23
Annexure VI	24
Annexure VII	25
Annexure VIII	26





The background features a central circular area with a light blue grid pattern, resembling a globe or a technical drawing. This central area is framed by several overlapping, wavy bands of green and light green, creating a sense of motion and depth. The overall color palette is dominated by various shades of green and blue.

**UNIVERSITY**



## 1. Introduction

The Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University was established as an institution of national importance on 5<sup>th</sup> March, 2014 by an Act of Parliament by Govt. of India for the furtherance of the advancement of learning and pursuit of research in agriculture and allied sciences. The headquarter of the University is being developed at Jhansi in the State of Uttar Pradesh. The jurisdiction and responsibility of the University with respect to teaching, research and programmes of extension education at the University level, in the field of agriculture shall extend to whole country and priority shall be laid on the issues related to Bundelkhand region. All colleges, research and experimental stations or other institutions to be established under the authority of the University shall come in as constituent units under the full management and control of its officers and authorities. Within the provision of para 4 (2) of the University Act, the University has decided to establish its head quarter and constituent College of Agriculture and College of Horticulture and Forestry at Jhansi. Two colleges, namely College of Veterinary and Animal Sciences, and College of Fisheries are proposed to be established at Datia, Madhya Pradesh. The University is funded directly by the Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India, New Delhi.

Dr. Arvind Kumar, an eminent researcher and academician was appointed as the first Vice-chancellor of the University by the Hon'ble President of India in his capacity as Visitor of the University, who joined on 9<sup>th</sup> May, 2014.

## 2. Goals

The University objectives are clearly defined in the Act as follows:

- a. impart education in different branches of agriculture and allied sciences as it may deem fit;
- b. further the advancement of learning and conducting of research in agricultural and allied sciences;
- c. undertake programmes of extension education in Bundelkhand in the districts of the States under its jurisdiction;
- d. promote partnership and linkages with national and international educational institutions; and
- e. undertake such other activities as it may, from time to time, determine.

## 3. University Authorities and Governance

The Vice-Chancellor is the principal executive and academic head of the University and *ex-officio* Chairman of Board of Management, Finance Committee and Academic Council. Board of Management, Finance Committee and Academic Council are the apex bodies, which will take decisions on administrative, financial and academic matters. The proposed governance structure of the University is depicted in Fig. (1).

### 3.1 Board of Management

The University is being guided by the Board of Management, which is the policy making body and responsible for the management of the University. The composition of BOM during the period under report is given in Annexure-I. Since its constitution, three meetings of BOM were held during this period (Table 1).

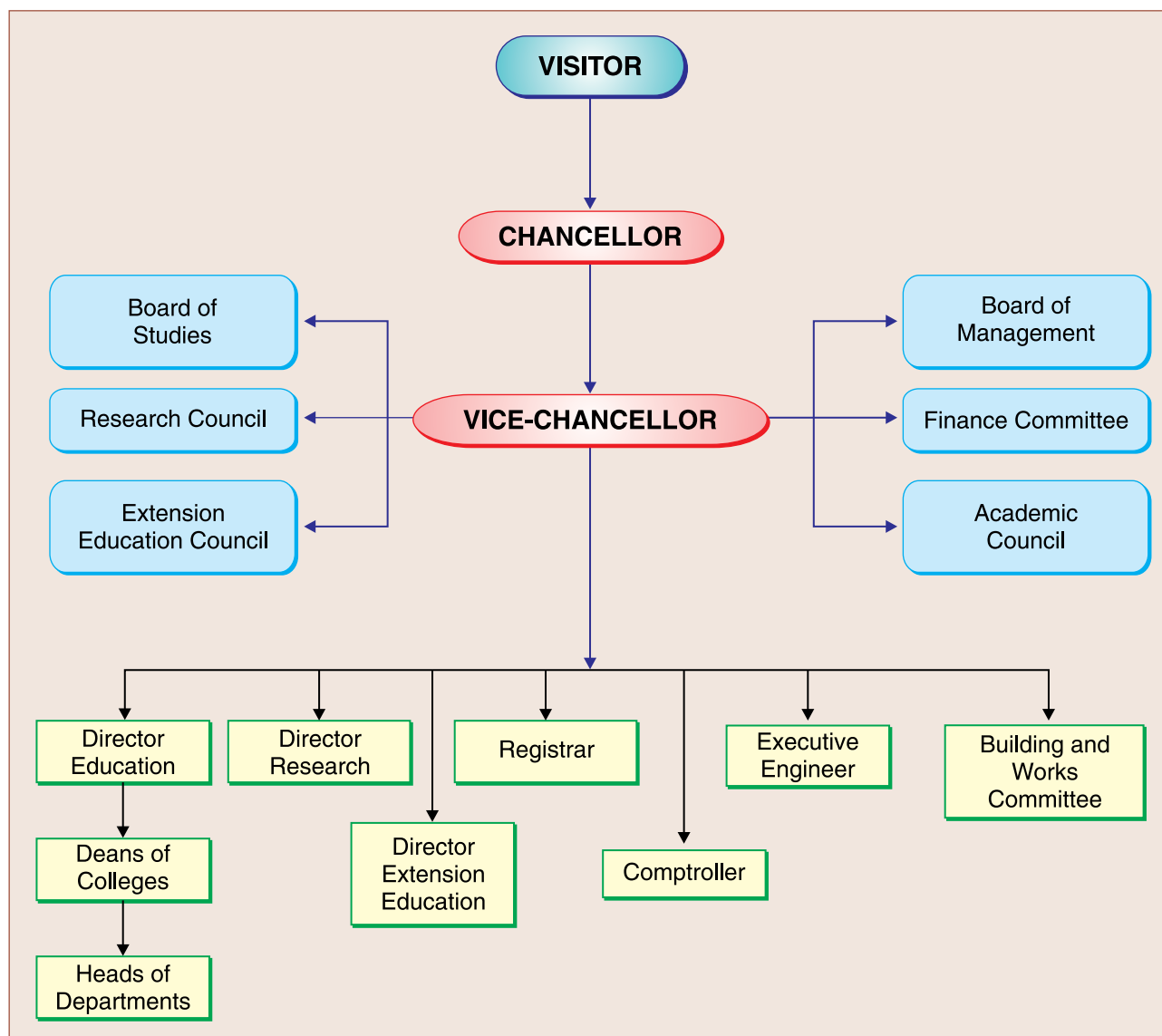


Fig. 1. Governance Structure of the University

S. No.	Meeting	Date	No. of Board Members present
1.	1 <sup>st</sup>	17 <sup>th</sup> August, 2015	10
2.	2 <sup>nd</sup>	10 <sup>th</sup> February, 2016	09
3.	3 <sup>rd</sup>	3 <sup>rd</sup> June, 2016	11

Major decisions taken in various meetings of the BOM included the following:

### First Meeting

- Nomination of Dr. M. Prem Jit Singh, Vice Chancellor, CAU, Imphal, Dr. A. K. Singh, Vice Chancellor, RVSKVV, Gwalior and Dr. N. S. Rathore, DDG Education, ICAR to Finance committee of RLBCAU as per section 17 (1) of the Schedule (The Statutes of the University).
- Appraisal of Seven Ordinances issued by the Vice Chancellor, RLBCAU, Jhansi for



admission of students, course of study laid down for B.Sc. (Hons.) Agriculture, medium of instruction and examination, Fees to be charged for the course of study, Conditions for award of fellowship and scholarship, Conduct of examination and Conditions of residence of the students.

- Constitution of a committee under the Chairmanship of Dr. S. N. Puri, Former Vice chancellor CAU, Imphal to finalize the draft of Academic Regulations for Under-graduate Studies at RLBCAU, Jhansi under section 29 of the University Act.
- Approval of no of students admitted to B.Sc. (Hons.) Agriculture Programme during the academic year 2014-15 and 2015-16.
- Approval for hiring services of consultants and engagement of teaching associates.
- Recommended a panel of persons of eminence in education in general and Agricultural Sciences in particular for appointment of Chancellor of the University by the Visitor.
- Consideration of University Accounting Policies, Annual Statement of Expenditure for the year 2014-15 and revised budget estimates for the year 2015-16.
- Post facto approval for adoption of logo of the University released by Hon'ble Minister of Agriculture, Govt. of India on 11<sup>th</sup> November, 2014.
- Approval for implementation of AICRP Chickpea and recruitment of project staff as per the budget provisions.
- Award of NTS Scholarship to all the students admitted in the University through AIEEA conducted by ICAR.
- Approval for teaching and non teaching posts.

### Second Meeting

- Approval and adoption of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Academic Regulations 2015 for Under-graduate Studies.
- Approval of draft agreement between RLBCAU and NBCC for infrastructural development of the University.
- Approval of civil works to be undertaken by the University through the approved construction agency subject to availability of funds.
- Approval of recommendation of Finance Committee for the creation of teaching and non teaching posts.
- Approval of Annual Account of RLBCAU for the year 2014-15.
- Approval of signing of Memorandum of Agreement.
- Approval of prescribed qualification for recruitment of teaching and non-teaching posts being created by the University.

### Third Meeting

- Approval for initiation of B.Sc. (Hons.) Horticulture and B. Sc. (Hons.) Forestry programme from the academic year 2016-17.
- Approval for total no. of seats to various UG programmes for admission of students during Academic Session 2016-17 to be filled through ICAR-AIEEA.
- Approval of recommendations made by the selection committee for the appointment of Dr. Meenakshi Arya and Dr. Anshuman Singh to the post of Scientist (Plant Pathology) and Scientist (Genetics and Plant Breeding), respectively.
- Approval of Rules for Emoluments, Terms & Conditions of Service and Powers &



The third meeting of Board of Management in session

Functions of officers of the University.

- Approval for constitution for “University Building & Works Committee”.
- Approval of Academic Calendar of the University for the year 2016-17. (Annexure- V)
- Approval for providing medical facilities to University staff and students from government recognised and private hospitals.
- Approval of allocations under Budget Estimates for the year 2016-17.
- Constitution of a committee to draft University Academic Regulations for PG Studies under the Chairmanship of Dr. A.K. Singh, Vice Chancellor, RVSKVV, Gwalior.

### 3.2. Finance Committee

The Finance Committee of the University consists of the Vice Chancellor as Chairman and Financial Advisor, Department of Agricultural Research and Education; three persons nominated by the Board, out of whom at least one shall be a member of the Board; three persons nominated by the Visitor; and the Comptroller of the University as its -Member-Secretary. The Finance Committee was constituted and notified vide Notification No.VC/RLBCAU/2/FCM-2015 (Annexure-II).

Since its constitution, two meetings of Finance Committee were held during this period (Table 2).

S. No.	Meeting	Date	No. of Finance Committee Members present
1.	1 <sup>st</sup>	21 <sup>th</sup> September, 2015	06
2.	2 <sup>nd</sup>	10 <sup>th</sup> November, 2015	08

Major decisions taken in various meetings of the Finance Committee included the following:

#### First Meeting

- Approval of Accounting Policies for RLBCAU, Jhansi.
- Approval of Annual Accounts of RLBCAU for the financial year 2014-15.
- Approval of breakup of budget allocation for the year 2015-16.
- Approval of breakup of budget allocation under RE 2015-16 and B.E. 2016-17.
- Approval of the implementation of AICRP on Chickpea as per the budget provisions.
- Constitution of a sub-committee under the Chairmanship of Dr. P.L. Gautam



Shri S. K. Singh, Additional Secretary & FA, (DARE/ ICAR) in the first meeting of Finance Committee





to review and recommend creation of teaching and non-teaching posts.

- Award of NTS scholarship to all the UG students.

### Second Meeting

- Approval for nomination of construction agency.
- Approval of the report and proceedings of the sub-committee of the University Finance Committee constituted under the Chairmanship of Dr. P.L. Gautam to review and recommend creation of teaching and non-teaching posts.

## 4. Academic Activities

The University promulgated 'Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Academic Regulations 2015' for Undergraduate studies after the approval of Board of Management to regulate the academic activities of undergraduate studies in the University as per the provision under the Section 29 and the Statute (40) of the Schedule of the Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Act-2014. These regulations shall be applicable to the students admitted during the academic session 2014-2015 and onwards.

The University continued its under



Distribution of Prizes to the Students by Hon'ble Vice Chancellor

graduate degree classes in Agriculture with the support of Scientific staff and Research Laboratories of ICAR Research Institutes/Govt. Departments located at Jhansi and nearby areas.

A total of 30 students were admitted in the second batch of B.Sc. (Hons.) Agriculture programme during the Academic Year 2015-16, through All India Entrance Examination in Agriculture and Allied Sciences (AIEEA) for UG programmes conducted by Indian Council of Agricultural Research.

The second academic session of the University was started from 1<sup>st</sup> August, 2015 with the orientation programme chaired by Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice Chancellor. A brief description of the University, which included the back-ground, motto and expectations of the faculty along with recent achievements, was given to newly admitted students. The students were given an introduction regarding the academic disciplines, scholarships, student welfare, code of conduct and acquainted with the opportunities, the support and guidance that they will be getting from the University team. Importance of sports, creative arts and cultural activities in student life, hostel environment, in addition to the provision for food, library facilities, etc. were also given a short mention. The students were enlightened about undergraduate structure and various core courses in B.Sc. (Hons) Agriculture program that need to be opted by the students. The Vice-chancellor, Dr. Arvind Kumar, exhorted students to prefer research and entrepreneurship. He explained about vast opportunities of placement to graduates in agriculture besides avenues to start their own business in it including Agri-Clinics and Agro-Service Centers. He encouraged the students to attain overall development in sports, extra-curricular activities in addition

to academics. Subsequently, a fresher get together was arranged by the senior students of the University for newly admitted students, on 17<sup>th</sup> August, 2015, which was graced by Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice Chancellor as chief guest.

## 5. Faculty

In the light of Section 6 (x, xi) of the University Act, vesting the University with power to create teaching, research, extension education, administrative, ministerial and other posts and to make appointments thereto, the Finance Committee and Board of Management of the University approved the creation of 254 teaching and 234 non-teaching posts for the head quarters and four constituent colleges (College of Agriculture; College of Horticulture & Forestry; College of Veterinary and Animal Sciences, and College of Fisheries). The University has proposed faculty following the minimum standards

for UG/PG education in different branches of agricultural sciences, except veterinary sciences, as per the norms prescribed by the Indian Council of Agricultural Research. The Veterinary education shall be regulated by the norms prescribed by Veterinary Council of India. The proposal has been submitted for necessary financial concurrence of MOF for creation of various teaching and Non-teaching posts in different pay bands as per approval of the Board. Mean time, the University has engaged 34 contract/ guest faculty of competent Scientists/teachers of cadre equivalent to Professor (16), Associate Professor (04) and Assistant Professor (14) to provide enabling and conducive academic environment. (Annexure-III).

The following courses were offered by the University to the first and second year students of B.Sc. (Hons.) Agriculture during academic year under report:

### B.Sc. (Hons.) Agriculture I<sup>st</sup> year

#### I. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	APA 101	Principles of Agronomy and Agricultural Meteorology	3 (2+1)
2.	AGP 111	Principles of Genetics	3 (2+1)
3.	APS 116	Introduction to Soil Science	3 (2+1)
4.	AAE 131	Fundamentals of Soil, Water and Conservation Engineering	3 (2+1)
5.	APP 136	Plant Pathogens and Principles of Plant Pathology	4 (3+1)
6.	APH 101	Production Technology of Fruit Crops	3 (2+1)
7.	APA 102	Introductory Agriculture	1 (1+0)
<b>Total Credit Hours</b>			<b>20</b>



## II. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	APP 137	Introductory Nematology	2(1+1)
2.	ABS 152	Statistics	2(1+1)
3.	APA 103	Water Management Including Micro Irrigation	3(2+1)
4.	AGP 112	Principles of Plant Breeding	3(2+1)
5.	AEC 126	Principles of Agricultural Economics	2(2+0)
6.	AAC 146	Dimensions of Agricultural Extension	2(1+1)
7.	ABA 154	Agricultural Microbiology	3(2+1)
8.	ABC 153	Introduction to Computer Applications	2(1+1)
9.	APS 117	Soil Chemistry, Soil Fertility and Nutrient Management	3(2+1)
10.	ABM 151	Elementary Mathematics	2 (2+0) (NC)
<b>Total Credit Hours</b>			<b>22</b>

## B.Sc. (Hons.) Agriculture IInd year

### III. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	APA 201	Practical Crop Production I (Kharif Crops)	1(0+1)
2.	AST 241	Principles of Seed Technology	3(2+1)
3.	APE 221	Insect Morphology and Systematics	3(2+1)
4.	AEC 226	Agricultural Finance and Co-Operation	2(1+1)
5.	AAE 231	Farm Power and Machinery	2(1+1)
6.	APH 211	Production Technology of Vegetables and Flowers	3(2+1)
7.	ALM 266	Livestock Production and Management	3(2+1)
8.	APA 202	Organic Farming	3(2+1)
9.	ABP 251	Crop Physiology	3(2+1)
<b>Total Credit Hours</b>			<b>23</b>



## IV. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	AEC 227	Agricultural Marketing, Trade and Prices	2(1+1)
2.	APP 236	Diseases of Field Crops & their Management	3(2+1)
3.	APS 216	Manures, Fertilizers and Agrochemicals	3(2+1)
4.	AGP 211	Breeding of Field and Horticultural Crops	3(2+1)
5.	AAE 232	Protected Cultivation and Post-Harvest Technology	2(1+1)
6.	APH 221	Production Technology of Spices, Medicinal & Plantation Crops	3(2+1)
7.	APA 203	Practical Crop Production II (Oilseeds and Commercial Crops)	1(0+1)
8.	APE 222	Insect Ecology and Integrated Pest Management including Beneficial Insects	3(2+1)
<b>Total Credit Hours</b>			<b>20</b>

## 6. AICRP-Chickpea sub-centre

The technical program of AICRP Sub Centre on Chickpea involving experiments for screening of Chickpea germplasm for yield attributes in Bundelkhand region was initiated at the University Campus, Jhansi from Rabi 2015-16. The following coordinated trials on chickpea were conducted:

- 1. AVT-2 (desi) 2. IVT (desi) 3. IVT (desi) Rainfed 4. AVT 1 (Kabuli) 5 IVT (Kabuli).
- Shuttle breeding: 12 F<sub>2</sub>s and 6 F<sub>3</sub> bulks were grown for evaluation, selection and advancement to next generation under space planting conditions. About 200 promising plants were selected.
- Thirty (30) improved varieties/ genotypes of Kabuli and Desi chickpea were evaluated for yield ability under agro-ecological conditions of Jhansi in demonstration plots. Desi chickpea variety BG 391 having tall and erect plant type, yielded highest at 31.74 q/ha.

- Germplasm evaluation: 202 lines of Desi and Kabuli chickpea were collected from NBPGR, New Delhi. The lines were multiplied and evaluated for disease reactions, and maintained.
- The entry DIBG 202 performed well with perfect canopy under rainfed conditions at Jhansi Centre in Bundelkhand region during Rabi 2015-16. The genotype yielded 19.07 q/ha which was highest among other entries in 'IVT Rainfed (Desi)' trail at Jhansi.

The recruitment of sanctioned scientific staff was made in order to strengthen the AICRP Sub-Centre on chick-pea at the University campus.

## 7. Extension Activities

### 7.1 Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG)

Following the footsteps of Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, the



University faculty interacting with the farmers

University has adopted Kanchanpur village of Babina Block to promote best farming practices under the programme called Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG). The scheme envisages scientists to select villages as per their convenience and remain in touch with the selected villages and provide information to the farmers on technical and other related aspects in a time frame through personal visits or on telephone to farmers for increasing farm productivity and production. Accordingly, a team of multidisciplinary scientists was also constituted for this purpose. Progressive

farmers of this village were appraised of various government schemes launched by Govt. of India for the benefit of the farmers like National Crop Insurance Programme, Rashtriya Krishi Vikas Yojna (RKVY), Soil Health Card, Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana etc.

### 7.2 Workshop for Increasing the Production of Pulses and Oilseeds

The University arranged a one day workshop for increasing the production of pulses and oilseeds in Bundelkhand region



Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor addressing the workshop

organized in the village Akbarpur Itaura, Distt. Jalaun on 22 June 2016. The workshop was attended by Dr. Arvind Kumar, Vice-Chancellor as chief guest and Scientists, staff and students of the University besides about 300 farmers, Subject Matter Specialists of various agricultural institutions of Uttar Pradesh and guest speakers that included Shri Hriday Nath Singh, President and National Organizer of Gau Vansh Vikas and Farmers' Welfare, Shri Gopal Das Paliwal, Member, University Board of Management and Shri Shyam Bihari Gupta, Organizer and Dean of Gau Rash Kisan Vidyapeeth, Sri Virender Pandey, Manager, Inter College, Itaura & Co-organizer of the event, and Dr. J. K. Babele, Institute of Agricultural Sciences, Bundelkhand University, Jhansi. In this workshop, improved technology to raise the production of pulses and oilseeds in Bundelkhand region was elaborated and also the seeds of two Sesame varieties i.e. TKG 22 and TKG 55 were distributed to the farmers to assess the performance of these varieties.

## 8. Infrastructural Development

The Finance Committee and Board of Management in their meetings held on 21.09.2015 and 10.02.16, respectively approved the budgetary expenditure ceiling of Rs.254 crores under the Sub-head *Grant in Aid-Capital* for the proposed construction of Administrative Block, Academic Block, Library, Faculty Residences, Guest House, Scientists Home, International Guest House, Hostels, Auditorium, ATIC Centre & Museum Ground Floor, Site Development at Jhansi & Datia, Pre-Fabricated Structures for Research and Academic Activities at Jhansi & Datia to be executed by the University during the period from 2015-2017 through the approved construction agency, subject to availability of funds. A Memorandum of Agreement for infrastructural development between RLBCAU and NBCC as approved construction agency, was signed and exchanged between the Vice Chancellor and Mr. A. Mummoorthy, G.M. (Engg.), NBCC, Bhopal on 10<sup>th</sup> February, 2016 after



Exchange of Memorandum of Agreement between RLBCAU and NBCC during second meeting of BOM





the approval of draft agreement by the University Finance Committee and Board of Management. Further, the Board of Management under the provisions of section 37 of the University Act and delegation of powers of the Board of Management to such committee as per para 12(4)(xv) of the Statutes approved the constitution of University Building and Works Committee (Annexure-IV), in order to expedite various activities related to infrastructural development. The committee is composed of Hon'ble Vice-chancellor as its Chairman and a representative of the Construction Agency not below the rank of Executive Engineer, a member of Finance Committee, the Comptroller, a representative of user Department of the University, Two teachers of the University nominated by the Vice Chancellor, Dean or his nominee not below the rank of Professor from Government Engineering College; An expert in Civil Engineering/ Construction Management nominated by the Vice Chancellor; the University Engineer/Consultant engaged by the University and the Registrar being its Member Secretary. The construction is to be initiated after finalization of master building plan and preliminary estimates.

## 9. Finance and Budget

The University gets funds from Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India for carrying out its activities. During the academic year 2015-16, the University was allotted a budget of Rs. 10.00 crores only. The Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2016 and Income and Expenditure Account for the year ending 31<sup>st</sup> March, 2016 is also given in Annexure VI and VII.

## 10. Other Major Activities/Events

### 10.1 Independence Day Celebration

New session of academic year 2015-16 started from 28<sup>th</sup> July 2015. In second year, 30 new students got admitted in the B.Sc. (Hons.) Agriculture programme. On the occasion of Independence Day, Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor hoisted the flag and addressed the students and faculty. He enlightened the students about the importance of Independence Day and how India achieved its independence. He highlighted the importance of agriculture in rural based economy of the country. Mrs Pramod Kumari Rajput, Member, Board of Management was also present on this occasion.

### 10.2 Appointment of Chancellor

The Hon'ble President of India & Visitor of RLBCAU, Jhansi appointed Prof. Dr. Panjab Singh, Former Secretary, DARE & DG ICAR and Ex-Vice Chancellor, Banaras Hindu University as Chancellor of the Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University,



Jhansi as per section 1 (1) of the schedule (The Statutes of the University) for a term of five years w.e.f. 1<sup>st</sup> January, 2016. Prof. Panjab Singh, Chancellor of the Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi first

time visited the University on 10<sup>th</sup> March 2016 and interacted with the staff and students of the University.

### 10.3 Republic Day Celebration

On 26<sup>th</sup> January 2016, Republic Day was celebrated at the Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi. Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor hoisted the flag and addressed the students, faculty members and other staff of the University. On this occasion Mrs. Pramod Kumari Rajput, Member, Board of Management, was also present. Cultural event was also performed by the students on this occasion. The Vice-Chancellor highlighted the achievements of the University and future road map for strengthening various activities. He

also updated the students and staff about the various schemes launched and efforts made by the Govt. of India for boosting the agricultural sector. The need to raise pulse production was also emphasized considering Bundelkhand region as an important pulses' growing tract. It becomes more pertinent in view of thrust given by the Hon'ble Prime Minister to raise the pulse production in the country for nutritional security.

### 10.4 Appointment of first Registrar

The Hon'ble President of India & Visitor of RLBCAU, Jhansi appointed Dr Mukesh Srivastava, Professor, Plant Pathology, Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, as the first Registrar of



Glimpses of Republic Day celebrations





the Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi as per section 43 (b) of the schedule (The Statutes of the University) for a term of three years w.e.f. 4<sup>th</sup> April, 2016.

### 10.5 Swachh Bharat Abhiyan

Taking a cue from Swachh Bharat Abhiyan (SBA), the staff and students of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi launched an intensive drive led by the Hon'ble Vice-Chancellor for cleaning the campus and surrounding environment. The importance of Swachh Bharat Abhiyan to maintain cleanliness of the premises for the benefit of environment and health were briefed to the social community during the fortnight long events organized from 16<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> May, 2016.



Towards cleanliness....

### 10.6 International Yoga Day Celebration

Yoga is a holistic science of life, which deals with physical, mental, emotional and spiritual health. It is based on an extremely subtle science which focuses on bringing harmony between mind and body. Yoga also enhances teamwork and communication. The International Day of Yoga is now celebrated world-over annually on 21<sup>st</sup> June since its inception in 2015. The University decided to take forward the momentum created by



Yoga for Harmony and Peace

International Day of Yoga, 2015 with greater and more active participation of youths during the current year celebrations. Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor, scientists, staff and students took active part in yoga on June 21, 2016 at Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi and pledged to make yoga an integral part of their daily life. The gathering performed various Asanas, Pranayam and relaxation exercises. Various aspects of Yoga in the prevention and management of stress were also discussed to lead a healthy life. The two hours celebration ended with a round of laughter yoga and prayer for world peace and harmony.

### 10.7 Harit Ratna Award

Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor, was conferred with Harit Ratna Award by All India Students Association of Agriculture (AISAA) for outstanding work in the field of higher agricultural education, particularly for his sustained efforts in empowering the youth in agriculture and promoting educational reforms. The award was presented by Sri Radha Mohan Singh, Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, in a ceremony organized by the Association in collaboration with Indian Council of Agricultural Research. As DDG (Education), Dr. Arvind Kumar initiated many



Sri Radha Mohan Singh, Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers' Welfare presenting the award

innovations like Agriculture Education Day, e-Courses, National Talent Scholarship for P.G. students and new UG courses for much needed reforms to generate quality human resources for science led revolution in agriculture.

### Roadmap for the year 2016-17

- Formulation of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Academic Regulations for Post-graduate studies.
- Continuation of B.Sc. (Hons.) Agriculture Programme.
- Initiation of B.Sc. (Hons.) Horticulture and B.Sc. (Hons.) Forestry Programme
- Creation of Teaching and Non-teaching positions for different constituent colleges of the University.
- Initiation of construction of Pre-fabricated structures and approved buildings.



**Annexure-I**

**Composition of Board of Management of the University**

*(In accordance with the para 12 (1) of the Schedule of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Act- 2014)*

S.No.	Composition	Name & Designation	Status
1.	Vice Chancellor [Section 12 (1) (i) of the Schedule]	Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor, RLBCAU, Jhansi	Chairman
2.	Four Secretaries, from amongst the Secretaries in charge of the Departments of Agriculture and Animal Husbandry, Fishery and Horticulture of the States of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh to be nominated by the Visitor by rotation: Provided that there shall not be more than two Secretaries from a State in the Board at a particular time; [Section 12(1) (ii) of the Schedule]	1. Principal Secretary, Department of Agriculture, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow-226001 2. Principal Secretary, Department of Animal Husbandry, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow – 226001 3. Mr Rajesh Rajora, Principal Secretary, Department of Agriculture, Govt. of Madhya Pradesh, Bhopal – 462003 4. Mr. Prabhanshu Kamal, Principal Secretary, Department of Animal Husbandry, Govt. of Madhya Pradesh Bhopal – 462003	Member Member Member Member
3.	Three eminent scientists to be nominated by the Visitor [Section 12(1) (iii) of the Schedule]	1. Dr. S.C. Modgal, Ex-Director General, UPCAR, Lucknow and Ex-Vice-Chancellor, GBPUAT, Pantnagar, 6, Rajdeep Enclave, Ph.II, 100 ft Road, Dayal Bagh, Agra – 282005. 2. Dr. K.R. Dhiman, Ex Vice-Chancellor, YS Parmar University of Horticulture & Forestry, Solan, Himachal Pradesh,. Tashiling Cottage, below BCS, Phase-3, New Shimla, Shimla – 171009. 3. Dr. B.V. Patil, Director of Edn. & Ex-Vice Chancellor, University of Agricultural Sciences, Raichur - 584104	Member Member Member
4.	One distinguished person representing Agro-based industries or a manufacturer having a special knowledge in agricultural development to be nominated by the Visitor; [Section 12(1) (iv) of the Schedule]	Sri N. Kumar, Devarahally , Post: Lakshmisagar, Taluk: Sirsa, Distt- Tumkur - 572139, Karnataka, C/o Siddeswara Gowda, Retd. SP. Canna Cottage,16th Cross, SIT Extension, Nandeesh Layout Tumkur - 572103	Member
5.	The Deputy Director-General (Education) representing the Indian Council of Agricultural Research; [Section 12(1) (v) of the Schedule]	Dr. N. S. Rathore, DDG (Education) ICAR, KAB-II, Pusa, New Delhi - 110012	Member



ANNUAL REPORT 2015-16

S.No.	Composition	Name & Designation	Status
6.	One Dean of college and one Director to be nominated by the Vice-Chancellor on rotational basis; [Section 12(1) (vi) of the Schedule]	1. Dr. (Mrs.) Mridula Billore, Dean, B.M. College of Agriculture, Khandwa 450001. 2. Dr. P.K. Ghosh, Director, IGFR, Jhansi – 284003.	Member Member
7.	Three persons including at least a woman representing farmers in Bundelkhand to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation in the States of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh: Provided that there shall not be more than two representatives from a State in the Board at a particular time; [Section 12(1) (vii) of the Schedule]	1. Mrs. Pramod Kumari Rajput, Gondu Compound, Civil Lines, Jhansi – 284001. 2. Sri Mahendra Pratap Singh Yadav, Yadav Complex, near Kumkum Talkies, Panna – 411002. 3. Sri Gopal Das Paliwal, Town-Kurara, Ward 11, Paliwal Muhal, Janpath Hamirpur – 210505.	Member Member Member
8.	An Advisor (Agriculture), Planning Commission; [Section 12(1) (viii) of the Schedule]	Dr. J.P. Misra, Advisor (Agriculture), Niti Aayog, Govt of India, New Delhi – 110049.	Member
9.	A distinguished authority on natural resource or environment management to be nominated by the Visitor; [Section 12(1) (ix) of the Schedule]	Prof. Anil Kumar Singh, Ex-DDG (NRM) ICAR, Vice-Chancellor, Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior – 474002.	Member
10.	Two persons not below the rank of Joint Secretary representing respectively the Departments of Government of India dealing with the Agriculture and Animal Husbandry to be nominated by the concerned Secretary to the Government of India; [Section 12(1) (x) of the Schedule]	1. Mr. Sanjay Lohiya, Joint Secretary (Crops), Dept. of Agriculture and Co-operation, Govt. of India, Krishi Bhawan, New Delhi – 110001. 2. Smt. Rajni Sekhri Sibal, Joint Secretary (C & DD), Dept. of Animal Husbandry, Dairy and Fisheries, Govt. of India, Krishi Bhawan, New Delhi - 110001	Member Member
11.	Nominee of the Secretary representing the Department of Agricultural Research and Education, Government of India; [Section 12(1) (xi) of the Schedule]	Addl. Secretary, DARE and Secretary, ICAR, Krishi Bhawan, New Delhi - 110001	Member
12.	The Registrar of the University–Secretary. [Section 12(1) (xii) of the Schedule]	Dr. Mukesh Srivastava (from April, 2016)	Secretary



**Annexure-II**

**Composition of Finance Committee of the University**

*(In accordance with the para 17 (1) of the Schedule of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Act- 2014)*

S.No.	Composition	Name & Designation	Status
1.	Vice Chancellor [Section 17 (1) (i) of the Schedule]	Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor, RLBCAU, Jhansi	Chairman
2.	Financial Advisor, Department of Agricultural Research and Education or his nominee not below the rank of Deputy Secretary; [Section 17(1) (ii) of the Schedule]	Mr. Sunil Kumar Singh, Financial Advisor, Department of Agricultural Research & Education, Government of India, Krishi Bhawan, New Delhi – 110001	Member
3.	Three persons to be nominated by the Board, out of whom at least one shall be a member of the Board; [Section 17(1) (iii) of the Schedule]	1. Dr. N.S. Rathore, Deputy Director General (Education), I.C.A.R., KAB-II, Pusa, New Delhi – 110012 2. Dr. A.K. Singh, Vice-Chancellor, Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Viswa Vidyalaya, Gwalior – 474002 (M.P.) 3. Dr. M. Premjit Singh, Vice-Chancellor, Central Agricultural University, Imphal - 795004 (Manipur)	Member Member Member
4.	Three persons to be nominated by the Visitor; and [Section 17(1) (iv) of the Schedule]	1. Dr. P.L. Gautam, Ex-Chairman, PPV & FR Authority, & Ex- Vice-Chancellor, GBPUA&T, Pantnagar, H. No. 118, HP Housing Board Colony, Bindraban, Palampur Distt. Kangra – 176061 (H.P.) 2. Prof. D.P. Ray, Ex-Vice-Chancellor, OUA&T, Bhubaneswar HIG-105, Kalinga Vihar, K-5, PO: Patrapada, Distt. Khurda, Bhubaneswar – 751019, Orissa 3. Shri B.S. Ramaswamy, Additional Secretary & Financial Advisor (Retd.), Ministry of Steel & Mines, (GOI), 140, Mandakini Enclave, Alaknanda, New Delhi – 110019	Member Member Member
5.	The Comptroller of the University [Section 17(1) (v) of the Schedule]	Vacant	Member Secretary

## Annexure-III

### Teaching Faculty Engaged for B.Sc. (Hons.) Agriculture First and Second Year

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
<b>I. Semester</b>			
1.	Dr. Ram Newaj	Course Leader, Principal Scientist (Agronomy), ICAR-CAFRI, Jhansi	Principles of Agronomy and Agricultural Meteorology
2.	Dr. S.K. Rai	Principal Scientist (Agrometeorology), ICAR-IGFRI, Jhansi	Principles of Agronomy and Agricultural Meteorology
3.	Dr. G.P. Shukla	Retd. Principal Scientist (Plant Breeding), ICAR-IGRFI, Jhansi	Principles of Genetics
4.	Dr. Anil Kumar	Principal Scientist (Plant Pathology), ICAR-CAFRI, Jhansi	Plant Pathogens and Principles of Plant Pathology
5.	Dr. Rajendra Prasad	Course Leader, Principal Scientist (Soil Fertility & Microbiology), ICAR-CAFRI, Jhansi	Introduction to Soil Science
6.	Dr. Dheeraj Kumar	Scientist (Soil Science), ICAR-CARFI, Jhansi	Introduction to Soil Science
7.	Dr. S.K. Tripathi	Retd. Principal Scientist (Soil Science), ICAR-IGFRI, Jhansi	Introduction to Soil Science
8.	Dr. Ramesh Singh	Course Leader /Principal Scientist (Soil & Water Conservation), ICAR-CAFRI, Jhansi	Fundamentals of Soil Water Conservation and Engineering
9.	Dr. Dev Narayan	Principal Scientist (Soil & Water Conservation), Indian Institute of Soil & Water Conservation Research Centre Datia	Fundamentals of Soil Water Conservation and Engineering
10.	Dr. R.K. Tiwari	Course Leader Principal Scientist (Horticulture), ICAR-IGFRI, Jhansi	Production Technology of Fruit Crops
11.	Dr. R.P. Dwivedi	Principal Scientist (Agril. Ext.), ICAR-CAFRI, Jhansi	Principles of Agril. Economics
12.	Dr. Mahendra Singh	Sr. Scientist (Agricultural Economics), CAFRI, Jhansi	Principles of Agril. Economics; Agricultural Finance and Co-operation
13.	Dr. Asha Ram	Scientist (Agronomy), ICAR-CAFRI, Jhansi	Practical crop production I (Cereals, Pulses and Fodder crops) Organic Farming
14.	Dr. Inder Dev	Principal Scientist (Agronomy), ICAR-CAFRI, Jhansi	Practical crop production I (Cereals, Pulses and Fodder crops) Organic Farming



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
15.	Dr. R.B. Bhaskar	Retd. Principal Scientist (Plant Pathology), ICAR-IGFRI, Jhansi	Principles of Seed Technology
16.	Dr. N.K. Shah	Principal Scientist (Entomology), ICAR-IGFRI, Jhansi	Insect Morphology and Systematics
17.	Dr. H.S. Bhadoriya	Assistant Professor (Agricultural Engineering), RVRSKVV, Gwalior	Farm power and machinery
18.	Er. G.R. Deshmukh	Technical Officer (Agricultural Engineering), ICAR- IGFRI, Jhansi	Farm power and machinery
19.	Dr. D.S. Yadav	DHO, Department of Horticulture, Govt. of UP, Jhansi	Production Technology of Vegetables & Flowers
20.	Dr. A.B. Majumdar	Retd. Principal Scientist (Animal Nutrition), ICAR-IGFRI, Jhansi	Livestock Production and Management
21.	Dr. Rajdeep	Professor (Crop Physiology), Bundelkhand University, Jhansi	Crop Physiology
<b>II. Semester</b>			
1.	Dr. M.K. Yadav	Teaching Associate (Plant Pathology), RLBCAU, Jhansi	Introductory Nematology; Diseases of Field Crops and their management
2.	Dr. Anil Kumar	Principal Scientist (Plant Pathology), ICAR-CAFRI, Jhansi	Introductory Nematology; Diseases of Field Crops and their management
3.	Dr. Shamim Ansari	Senior Lecturer, Department of Banking, Economics & Finance, Bundelkhand University, Jhansi	Statistics
4.	Dr. Madhulika Pandey	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	Water Management including micro irrigation
5.	Dr. Dev Narayan	Principal Scientist (Soil & Water Conservation), Indian Institute of Soil & Water Conservation Research Centre, Datia	Water Management including micro irrigation
6.	Dr. M.K. Singh	Teaching Associate (Genetics & Plant Breeding), RLBCAU, Jhansi	Principles of Plant Breeding; Breeding of Field/ Horticulture crops
7.	Dr. G.P. Shukla	Retd. Principal Scientist (Plant Breeding), ICAR-IGRFI, Jhansi	Principles of Plant Breeding
8.	Dr. C.B. Singh	Sr. Lecturer (Economics), Institute of Economics & Finance, Bundelkhand University, Jhansi	Principles of Agril. Extension
9.	Dr. R.P. Dwivedi	Principal Scientist (Agril. Ext.), ICAR-CAFRI, Jhansi	Dimension of Agril. Extension
10.	Dr. Rishi Kumar Saxena	Head (Microbiology), Bundelkhand University, Jhansi	Agricultural Microbiology

ANNUAL REPORT 2015-16

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
11.	Dr. Ashok Shukla	DST Scientist (Microbiology), ICAR-CAFRI, Jhansi	Agricultural Microbiology
12.	Dr. R.H. Rizvi	Principal Scientist (Computer Science), ICAR- CAFRI, Jhansi	Introduction to Computer Applications
13.	Dr. Amit Jain	RA (Computer Science), ICAR-CAFRI, Jhansi	Introduction to Computer Application
14.	Dr. S. K. Singh	Teaching Associate (Soil Science), RLBCAU, Jhansi	Soil Chemisty, Soil Fertilty and Nutrient Management
15.	Dr. Rajendra Prasad	Course Leader, Principal Scientist (Soil Fertility & Microbiology), ICAR-CAFRI, Jhansi	Soil Chemisty, Soil Fertilty and Nutrient Management
16.	Dr. Dheeraj Kumar	Scientist (Soil Science), ICAR-CARFI, Jhansi	Soil Chemisty, Soil Fertilty and Nutrient Management
17.	Dr. Sushma Sharma	Care of Dr. Naresh Bhardwaj Sr. Scientist (Agroforestry), ICAR-CAFRI, Jhansi	Mathematics Deficiency
18.	Dr. Asha Ram	Scientist (Agronomy), ICAR-CAFRI, Jhansi	Practical crop production II (Oil Seeds & Commercial crops) Manures, Fertilizers and Agrochemicals
19.	Dr. Inder Dev	Principal Scientist (Agronomy), ICAR-CAFRI, Jhansi	Practical crop production II (Oil Seeds & Commercial crops) Manures, Fertilizers and Agrochemicals
20.	Dr. Usha	Teaching Associate (Entomology), RLBCAU, Jhansi	Insect Ecology & Integrated pest management including beneficial insect
21.	Dr. Madhulika Srivastava	DST Scientist (Entomology), ICAR-CAFRI, Jhansi	Insect Ecology & Integrated pest management including beneficial insect
22.	Dr. Mahendra Singh	Sr. Scientist (Agricultural Economics), CAFRI, Jhansi	Principles of Agril. Economics
23.	Dr. R.P. Maurya	Teaching Associate (Horticulture), RLBCAU, Jhansi	Protected Cultivation and Post Harvest Technology; Production Technology of Spices, Aromatics, Medicinal and Plantation crops; Breeding of Field/ Horticultural crops
24.	Dr. D.S. Yadav	DHO, Department of Horticulture, Govt. of UP, Jhansi	Production technology of spices, Aromatics, Medicinal and Plantation crops; Breeding of Field/ Horticultural crops



## Annexure-IV

### Composition of University Building & Works Committee

(Constituted by BOM under provisions of section 37 and para 12(4)(xv) of the Statutes of the Rani Lakshmi Bai Central University Act-2014 vide resolution No. RLBCAU/BOM/3/8/2016 dated 3<sup>rd</sup> June, 2016)

Sl. No	Members	Name
1.	The Vice Chancellor (Chairperson)	Dr. Arvind Kumar
2.	A Representative of the Construction Agency not below the rank of Executive Engineer.	Sri. A. Mummoorthy, G.M. NBCC, Bhopal
3.	A member of Finance Committee nominated by Vice Chancellor	Dr. P. L. Gautam, Ex-Chairman, PPV & FR Authority, & Ex-Vice-Chancellor, GBPUA&T, Pantnagar, H. No. 118, HP Housing Board Colony, Bindraban, Palampur Distt. Kangra – 176061 (H.P.)
4.	The Comptroller	Comptroller/ Sri. M. K. Mulani, F&AO.
5.	A Representative of User Department	Dr. Mridulla Billore, Dean College of Agril., Khandwa (M.P.)
6.	Two teachers of the University nominated by the Vice Chancellor	Dr. Meenakshi Arya, (Scientist, Pl. Pathology) Dr. Anshuman Singh (Scientist, Gen. & Pl. Breeding)
7.	Dean or his nominee not below the rank of Professor from Government Engineering College	Prof. Shailendra Jain, Prof. & Head Electrical Engineering, MANIT, Bhopal
8.	An expert in Civil Engineering/ Construction Management nominated by the Vice Chancellor	Prof. Anil Saxena, Prof. Dept. of Civil Engineering, MITS, Gwalior
9.	The University Engineer/Consultant engaged by the University	University Engineer/Consultant
10.	The Registrar-Member Secretary	Dr. Mukesh Srivastava

## Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi Academic Calendar of YEAR 2015-16

### B.Sc (Hons) Agriculture

#### FIRST SEMESTER

<b>Date of Registration and Admission</b>	<b>01.08.2015</b>
<b>Orientation</b>	
• Orientation programme with Vice Chancellor	01.08.2015
• Orientation: CAFRI, Jhansi	01.08.2015
• Orientation: IGFRI, Jhansi	01.08.2015
Commencement of classes	03.08.2015
Fresher's Day/Cultural eve	15.08.2015
Mid-Term Semester Examination	13.10.2015 to 20.10.2015
Mid-Semester Report to Dean from Teachers	26.10.2015
Instruction Ends	02.01.2016
Preparation Break	03.01.2016 to 04.01.2016
End Term Examination (Theory & Practical)	05.01.2016 to 17.01.2016
Semester Break	18.01.2016 to 24.01.2016

NEXT SEMESTER STARTS FROM 25.01.2016

#### SECOND SEMESTER

<b>Date of Registration</b>	<b>25.01.2016</b>
Commencement of classes	27.01.2016
Last Date of Registration	30.01.2016
Mid- Term Semester Examination	11.04.2016 to 22.04.2016
Mid-Semester report to Dean from Teachers	25.04.2016
Instruction Ends	22.06.2016
Preparation Break	23.06.2016 to 24.06.2016
End Term Examination (Theory & Practical)	25.06.2016 to 07.07.2016
Semester Break	08.07.2016 to 23.07.2016

NEXT SEMESTER STARTS FROM 25.07.2016



**Annexure-VI**

**Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi  
Annual Accounts 2015-16**

**Pre-audited Balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2016**

(Amount in Rupees)

<b>Corpus/Capital Fund &amp; Liabilities</b>			
	<b>Schedule</b>	<b>Current Year</b>	<b>Previous Year</b>
Corpus/Capital Fund	1	3906027.00	263031.00
Reserves	2	0.00	0.00
Earmarked/Endowment Fund	3	0.00	0.00
Current Liabilities & Provisions	4	90918317.00	8199036.00
<b>Total</b>		<b>94824344.00</b>	<b>8462067.00</b>
<b>Assets</b>			
Fixed Assets	5	2649927.00	206711.00
Investments – Earmarked/Endowment Funds	6	0.00	0.00
Current Assets, Loans & Advances	7	92174417.00	8255356.00
<b>Total</b>		<b>94824344.00</b>	<b>8462067.00</b>
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities & Notes to Accounts	24		

**Sd/-  
Vice Chancellor**

**Sd/-  
Finance & Accounts Officer**



## Annexure-VII

**Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi**  
**Annual Accounts 2015-16**

**Pre-audited Income & Expenditure Account for the Year Ended 31<sup>st</sup> March 2016**

(Amount in Rupees)

A. Income	Schedule	Current Year	Previous Year
Grants from DARE	8	7570444	1785525
Income from Sales & Services	9	0	0
Academic Receipts	10	171380	56320
Income from investments	11	0	0
Income from Royalty/Publications	12	0	0
Interest Earned	13	996925	0
Other Income	14	31475	0
Prior Period Income	15	0	0
<b>Total (A)</b>		<b>8770224</b>	<b>1841845</b>
<b>B. Expenditure</b>			
Establishment expenses	16	1848704	1503500
Administrative expenses	17	1724223	62013
Academic Expenses	18	3669973	215350
Research Expenses	19	9215	0
Extension Activities Expenses	20	0	0
Other Expenses	21	318329	4662
Prior period expenditure	22	0	0
Depreciation	5	214419	19453
<b>Total (B)</b>		<b>7784863</b>	<b>1804978</b>
Balance being surplus/(Deficit) carried to corpus/Capital Fund		985361	36867

Sd/-  
Vice Chancellor

Sd/-  
Finance & Accounts Officer



## **Statutory Officers**

The list of the Statutory Officers of the University during the year 2015-16

### **Visitor**

**Shri Pranab Mukherjee**  
Hon'ble President of Republic of India

### **Chancellor**

**Prof. Dr. Panjab Singh**  
(from January, 2016)  
Former Secretary, DARE & DG ICAR and  
Ex-Vice Chancellor, Banaras Hindu University

### **Vice-Chancellor**

**Dr. Arvind Kumar**  
(from May, 2014)

### **Registrar**

**Dr. Mukesh Srivastava**  
(from April, 2016)



